RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 266 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- ▪ बेंगलूरु » रविवार » 26-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल चुनाव से हर भारतीय का हित जुड़ा है : हिमंत

6 सिपाही मनोज कुमार : बर्फबारी में दिखाई जोश की ज्वाला, उड़ाए पाकिस्तान के बंकर

7 आज की युवा पीढ़ी इन्फॉर्मेशन ओवरलोड की शिकार : काजोल

फर्स्ट टेक

चीन ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमान वाहक पोत के निर्माण के संकेत दिये

बीजिंग/भाषा। चीनी नौसेना ने एक वीडियो जारी किया है जिसके बाद अटकले लगाई जा रही हैं कि चीन में बनाया जा रहा चौथा विमान वाहक पोत परमाणु ऊर्जा से चलने वाला हो सकता है। 'इंटू द डीप' नाम की एक वीडियो फिल्म बुधवार को चीनी नौसेना की स्थापना के 77 साल पूरे होने पर जारी की गई। वीडियो में दिखाया गया है कि नौसेना की अलग-अलग पीढ़ियों के अधिकारियों को कम्पास दिए जा रहे हैं, जिनके नाम तीन विमान वाहकों लियाओनिंग, शानडोंग और फुजियान पर रखे गए हैं। वीडियो में एक चौथा नाम हे जियान भी दिखाया गया, जिससे यह संकेत मिलता है कि यह जहाज परमाणु ऊर्जा से चलने वाला हो सकता है, क्योंकि हे का उच्चारण चीनी भाषा में परमाणु के समान होता है जबकि जियान का अर्थ जहाज होता है। हांगकांग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने यह जानकारी दी।

डीआरडीओ ने दो बख्तरबंद मंचों को जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। सशस्त्र बलों की उभरती परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डीआरडीओ द्वारा डिजाइन और विकसित किए गए दो प्रमुख बख्तरबंद मंचों (तोपों) को शनिवार को सार्वजनिक किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा विभाग (अनुसंधान एवं विकास) के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में डीआरडीओ की प्रयोगशाला के परिसर में उन्नत बख्तरबंद मंचों (ट्रैक और पहिएदार) को सार्वजनिक किया जिसे वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान ने डिजाइन एवं तैयार किया है। उसने एक बयान में कहा, ''रक्षा बलों की उभरती परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इन मंचों को विकसित किया गया है।''

सोमालिया जा रहे तेल टैंकर को समुद्री लुटेरों ने अपने कब्जे में लिया

मोगादिशु/एपी। सोमालिया के उत्तर पूर्वी अपतटीय क्षेत्र में सोमालिया के संदिग्ध समुद्री लुटेरों ने एक ईंधन टैंकर को अपने कब्जे में ले लिया। यह जानकारी एक स्थानीय अधिकारी और ब्रिटिश सेना ने दी। संबंधित टैंकर बुधवार को हिंद महासागर के किनारे स्थित अर्ध-स्वायत्त राज्य पुंटलैंड के तटीय कस्बों हाफुन और बंदरबेयला के बीच के जलक्षेत्र में कब्जे में ले लिया गया। समुद्री पुलिस बल के एक कर्नल ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि टैंकर बेरबेरा बंदरगाह से रवाना हुआ था और सोमालिया की राजधानी मोगादिशु की ओर जा रहा था।

सूर्यास्त 26-04-2026	सूर्योदय 27-04-2026
6:33 बजे	6:00 बजे

BSE	NSE
76,664.21	23,897.95
(-999.79)	(-275.10)

सोना	चांदी
15,861 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	254,700 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भौंचक्के हम

गिर रहे तेल के रोज भाव,
बढ़ रहे दाम नित सोने के।
निफ्टी सेंसेक्स धँसे जाते,
दिन बाजारों के रोने के।
दल बदलू नेताओं के हैं,
सपने अपने हित ढोने के।
दिख रहे तमाशे सभी ओर,
अपने मूल्यों को खोने के।।

बंगाल में सत्ता में आए तो सीएए लागू करेंगे : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दावा किया कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में ही अपनी जीत सुनिश्चित कर ली है, और पार्टी 23 अप्रैल को हुए मतदान में 110 सीटें जीतेगी।

शाह ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) को, विशेष रूप से मतुआ समुदाय के लिए, शीघ्रता से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''पहले चरण का मतदान हो चुका है। पहले ही चरण में भाजपा 110 सीटें जीतेगी और (ममता) दीदी सत्ता से बेदखल हो जाएंगी। भाजपा यहां सरकार बनाएगी।''

शाह ने सीएए के विरोध को लेकर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधा और उनकी सरकार पर मतुआ समुदाय के सदस्यों को नागरिकता के अधिकार से वंचित करने और उन्हें भयभीत रखने का आरोप लगाया।

भाजपा नेता ने कहा, ''दीदी सीएए कानून को लागू नहीं होने दे रही हैं। आप कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) की सरकार बनाइए, और पांच मई के बाद भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि मतुआ समुदाय के हर भाई-बहन को नागरिकता मिले।''

'आप' के सांसदों की सबसे बड़ी खरीदार है भाजपा : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर धोखाधड़ी और अलोकतांत्रिक हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि वह आम आदमी पार्टी के सांसदों की सबसे बड़ी खरीदार है। हालांकि, भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद पार्टी के नेतृत्व से असंतुष्ट थे, इसलिए भाजपा में शामिल होना चाहते थे।

'आप' के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि वे पार्टी के पांच अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चड्ढा ने कहा कि आप के 10 में से 7 राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। वहीं, आप नेता संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि पार्टी राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर इन सात सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग करेगी।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए द्रमुक के प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा, भाजपा सांसदों और विधायकों की सबसे बड़ी खरीदार है। वह किसी भी तरह की धोखाधड़ी करने से नहीं चूकती। लोकतंत्र में उसे कोई विश्वास नहीं है। वह किसी भी तरह सत्ता हासिल करना चाहती है और इसके लिए सभी गलत, अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक गतिविधियां करती है। भारत की सबसे खराब राजनीतिक पार्टी भाजपा है।

विटकॉफ और कुशनर को ईरान वार्ता के लिए पाकिस्तान नहीं भेज रहे : ट्रंप

इस्लामाबाद/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने शीर्ष अमेरिकी दूतों को ईरान के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान नहीं जाने का निर्देश दिया है। ट्रंप ने 'फॉक्स न्यूज' से कहा कि वे हमें कभी भी फोन कर सकते हैं।

ट्रंप ने शनिवार को 'फॉक्स न्यूज' के साथ फोन पर एक संक्षिप्त साक्षात्कार में बताया कि उन्होंने अमेरिकी वार्ताकारों स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से कहा, आप अब 18 घंटे की उड़ान भरकर व्यर्थ की बातें करने नहीं जा रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिकी पक्ष के बारे में यह भी कहा, हमारे पास सभी विकल्प मौजूद हैं।

ट्रंप की यह टिप्पणी व्हाइट हाउस द्वारा शुक्रवार को यह घोषणा करने के बाद आयी कि विटकॉफ और कुशनर ईरान के साथ वार्ता के एक और दौर के लिए पाकिस्तान जा रहे हैं।

आरएसएस है 'राष्ट्रीय सरेंडर संघ', राम माधव ने उसे बेनकाब किया : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता राम माधव के अमेरिका में दिए एक बयान को लेकर शनिवार को दावा किया कि यह संगठन असल में राष्ट्रीय सरेंडर संघ है और उसके नेता ने ही उसे बेनकाब कर दिया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राष्ट्रीय सरेंडर संघ। नागपुर में फ़र्ज़ी राष्ट्रवाद, अमेरिका में शुद्ध गुलामी। उन्होंने कहा कि राम माधव ने ही संघ का असली चेहरा बेनकाब किया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अपने दिखावटी राष्ट्रवाद के बावजूद, आरएसएस विदेशों में स्वीकार्यता पाने के लिए बेताब रहता है। उन्होंने कहा, लॉबिस्ट की सेवा लेने (पाकिस्तान ने जिस लॉबिस्ट की सेवा की थी) से भी संतुष्ट न होकर, उसके शीर्ष विचारक हाल में अमेरिका में एक पीआर (जनसंपर्क) अभियान पर थे, जो पूरी तरह विफल रहा और अपनी ही जरूरत से ज्यादा चालाकी भरी दलीलों में उलझ गया।

'आरएसएस का मिशन व्यक्ति को बेहतर मनुष्य के रूप में बदलना है'

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भगवत ने शनिवार को कहा कि आरएसएस के स्वयंसेवकों का काम किसी व्यक्ति को बेहतर मनुष्य के रूप में बदलना है। वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा आरएसएस और एबीवीपी के पूर्व नेता यशवंतराव केलकर की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

भागवत ने कहा कि एबीवीपी और आरएसएस से संबद्ध सभी संगठन देशभक्ति से प्रेरित विचारधारा के आधार पर कार्य करते हैं। उन्होंने कहा, ''हम सभी एक विचारधारा के तहत काम करते हैं... यह भारत का उत्थान है। देशभक्ति हमारी प्रेरणा है।'' उन्होंने कहा कि आरएसएस स्वयंसेवकों का काम एक व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनाना है।

भागवत ने कहा कि यशवंतराव केलकर उनके और सभी स्वयंसेवकों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

भारत का भविष्य आज के छात्रों और युवाओं के हाथों में है : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधान न्यायाधीश ने स्नातकों से अपने गांवों, शहरों और पूरे देश के विकास के लिए अपनी शिक्षा का उपयोग करने की अपील की।

भिवानी/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि भारत का भविष्य आज के छात्रों और युवाओं के हाथों में है। उन्होंने उनसे मजबूत चरित्र विकसित करने, ज्ञान प्राप्त करने और जिम्मेदार नागरिक बनने का आग्रह किया ताकि देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचने में मदद मिल सके।

भिवानी स्थित चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि केवल अकादमिक डिग्रियां ही सफलता का आधार नहीं होतीं। उन्होंने कहा, ''इसे अनुशासन, लगन, समय का सदुपयोग और सीखने की निरंतर इच्छा के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।''

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने छात्रों से चुनौतियों का सामना करने में सकारात्मक रुख अपनाने का आह्वान किया।

शिक्षा के व्यापक उद्देश्य पर जोर देते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि इसका उद्देश्य केवल रोजगार सुनिश्चित करना नहीं बल्कि चरित्र, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों को मजबूत करना होना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''छात्रों की सफलता का आकलन केवल परीक्षा परिणामों से नहीं किया जाना चाहिए; बल्कि, हमें यह देखना चाहिए कि शिक्षा प्रक्रिया के दौरान वे किस प्रकार के नागरिक के रूप में विकसित हुए हैं।''

कर्नाटक में धार्मिक जुलूस के दौरान पैदल पुल टूटने से आठ श्रद्धालु घायल

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। दक्षिण कन्नड़ जिले में धार्मिक जुलूस के दौरान पैदल पुल के कथित तौर पर ढहने से आठ लोग घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना मूडबिद्री तालुक में होसाबेट्टू के निकट बावाडाबेल में शुक्रवार रात उस समय घटी जब श्रद्धालु धर्मनेमा अनुष्ठान की तैयारियों के तहत पवित्र प्रसाद से भरी पालकी पैदल पुल से ले जा रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, इस जुलूस में करीब 25 लोग शामिल थे। यह जुलूस सनडगुड्डे पाडिहोदिबेट्टू में एक मंदिर से शुरू हुआ और ताकोडे बरके में एक निवास की तरफ जा रहा था। जुलूस में पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाने वाले भी आगे चल रहे थे और दुर्घटना के समय वे संकरे पैदल पुल से गुजर रहे थे। प्रारंभिक खबरों से संकेत मिलता है कि जब समूह पुल के मध्य भाग पर पहुंचा तो सहायक बीम के टूटने से पुल ढह गया जिससे पालकी लिए हुए लोग और कई अन्य श्रद्धालु करीब 10 फुट गहरी खाई में गिर गए। इस धार्मिक जुलूस में शामिल लोगों में से एक हरीश के दोनों पैर टूट गए, जबकि मरूर के सुनील शेट्टी को गंभीर चोटें आई हैं। छह अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं। घटना के उपरांत स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को बचाने में मदद की। बाद में घायलों को इलाज के लिए मूडबिद्री में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि इस पैदल पुल का निर्माण करीब पांच दशक पहले कराया गया था और यह कमजोर स्थिति में था।

47 माओवादियों ने किया तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना पुलिस के समक्ष भाकपा (माओवादी) के 47 भूमिगत सदस्यों ने शनिवार को आत्मसमर्पण कर दिया और उन्होंने 32 हथियार भी सौंपे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी शिवधर रेड्डी ने पत्रकारों को बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में हेमला इयथु उर्फ विजया भी शामिल है, जो दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति का सदस्य और भाकपा (माओवादी) की दक्षिण बस्तर संभागीय समिति का प्रभारी है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अपील के अनुसार और तेलंगाना सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति तथा राज्य पुलिस के सहायक रवैये से प्रभावित होकर 47 नक्सली मुख्यधारा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि 47 नक्सली छत्तीसगढ़ के हैं।

पुतला जलाने के दौरान भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल झुलसीं

बहराइच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिले में शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विपक्षी नेताओं का पुतला जलाते समय निकली लपटों की चपेट में आकर सत्तारूढ़ दल की विधायक एवं पूर्व मंत्री अनुपमा जायसवाल झुलस गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत स्थिर बताई गई। बाद में बेहतर चिकित्सकीय परामर्श के लिए वह लखनऊ रवाना हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार दोपहर जिलाधिकारी आवास चौराहे के निकट भाजपा की ओर से 'महिला जनाक्रोश मार्च' के तहत विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा था। प्रदर्शन के दौरान विधायक अनुपमा जायसवाल के नेतृत्व में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला जलाया जा रहा था।

31 साल पुराने अपहरण-हत्या मामले में यूट्यूबर सलीम वास्तिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने 31 साल पुराने अपहरण व हत्या के एक मामले के सिलसिले में स्थानीय स्तर पर एक सामाजिक कार्यकर्ता और यूट्यूबर के रूप में पहचान बना चुके 54 वर्षीय एक व्यक्ति को शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी पहचान बदलकर यहां रह रहा था।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान सलीम खान उर्फ सलीम अहमद के रूप में हुई है और उसे सलीम वास्तिक के नाम से भी जाना जाता है। पुलिस ने बताया कि वास्तिक को अपराध शाखा की एक टीम ने उत्तर प्रदेश के लोनी से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, वह 2000 में मिली अंतरिम जमानत का उल्लंघन करने के बाद दो दशकों से अधिक समय से गिरफ्तारी से बच रहा था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी को 1997 में उसके साथी अनिल के साथ उत्तर-पूर्वी दिल्ली में एक सीमेंट व्यापारी के 13 वर्षीय बेटे की अपहरण के बाद हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जनवरी 1995 में स्कूल जाते समय लड़के का अपहरण कर लिया गया था और उसकी रिहाई के बदले 30,000 रुपए की फिरौती मांगी गई थी।

अधिकारी ने बताया कि पीड़ित के पिता को अपहरणकर्ताओं का फोन आया था, जिन्होंने उन्हें लोनी फ्लाईओवर के पास एक बस स्टैंड पर फिरौती की रकम देने को कहा था। उन्होंने बताया कि फोन करने वाले ने उन्हें पुलिस को सूचना न देने की चेतावनी भी दी थी।

अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दौरान शक सलीम खान पर गया, जो उस समय लड़के के स्कूल में मार्शल आर्ट प्रशिक्षक के रूप में काम कर रहा था।

पुलिस की एक टीम ने उससे पूछताछ की और उसके खुलासे के आधार पर दिल्ली के मुस्तफाबाद के पास एक नाले से लड़के का शव बरामद किया।

अधिकारी के अनुसार, सह-आरोपी अनिल की पहचान बाद में हुई और उसने फरवरी 1995 में अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

दिल्ली के एक सत्र न्यायालय ने मुकदमे की सुनवाई के बाद दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में इस फैसले को चुनौती दी।

अपील लंबित रहने के दौरान सलीम खान को नवंबर 2000 में अंतरिम जमानत दी गई लेकिन उसके बाद उसने आत्मसमर्पण नहीं किया। उच्च न्यायालय ने उसकी सजा को बरकरार रखा।

अधिकारी ने बताया, जमानत पर रिहा होने के बाद सलीम खान हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बार-बार अपना ठिकाना बदलकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचता रहा। बताया जाता है कि वह करनाल और अंबाला जैसी जगहों पर अलमारी बनाने का काम करता था और लगभग 2010 में लोनी में स्थायी रूप से बस गया।

सलीम खान ने गिरफ्तारी से बचने के लिए सरकारी रिकॉर्ड में खुद को कथित तौर पर मृत घोषित कर दिया और सलीम वास्तिक या सलीम अहमद के नाम से एक नई पहचान अपना ली।

इस पहचान के तहत वह महिलाओं के कपड़ों व अन्य सामान की दुकान चलाता था और सोशल मीडिया मंच पर भी सक्रिय हो गया, जहां उसने खुद को एक सामाजिक कार्यकर्ता एवं यूट्यूबर के रूप में पेश किया।

सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन करते हुए अशोक कुमार लाहिड़ी को वाइस चेयरमैन तथा पांच पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति की है, जिनमें अर्थशास्त्री के वी राजू, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक एम श्रीनिवास और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाहिड़ी और वैज्ञानिक गोबर्धन दास और पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा सहित नए पूर्णकालिक सदस्यों को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। मैं अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही राजीव गौबा, के वी राजू, गोबर्धन दास, अभय करंदीकर और एम श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य बनने पर बधाई देता हूं। मैं सभी के सफल और प्रभावी कार्यकाल की कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नीति आयोग भारत की नीतिगत संरचना में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों

को आगे बढ़ाने और जीवन सुगमता को प्रोत्साहित करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा, यह विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है।

प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं। नियुक्ति के बाद लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

लाहिड़ी चार दशक से अधिक के अनुभव वाले वरिष्ठ अर्थशास्त्री हैं। वह वर्तमान में पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हैं और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार तथा 15वें वित्त आयोग के सदस्य रह चुके हैं। वह राज्य में जारी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी नहीं हैं।

के वी राजू प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य हैं और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार भी हैं। अभय करंदीकर वर्तमान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव हैं। इससे पहले वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के निदेशक रह चुके हैं। गोबर्धन दास भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के निदेशक हैं। इससे पहले वह नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'मॉलिक्यूलर मेडिसिन' के विशेष केंद्र में प्रोफेसर और अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

एम श्रीनिवास देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक हैं और शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा अनुसंधान क्षेत्रों में तीन दशक से अधिक का अनुभव रखते हैं। नियुक्ति के बाद लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया।

सहज स्मृति योग

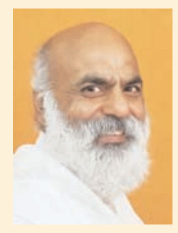

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप स्वच्छता को इतना अधिक महत्व क्यों देते हैं ? ऐसा लगता है जैसे केवल वही आपकी प्राथमिकता है। धर्म, अध्यात्म, आत्म-साक्षात्कार, समाज सेवा इत्यादि सबको आप स्वच्छता के बाद ही रखते हैं।

उत्तर: हर स्तर पर और हर क्षेत्र में स्वच्छता केवल मेरा ही नहीं, हरेक साधक का स्वभाव होता है। हरेक साधना पद्धति में स्वच्छता की क्रिया विधि में थोड़ी बहुत भिन्नता या विविधता होती है, वही साधना पद्धति की भिन्नता या विविधता के रूप में दिखती है। गुरु-छन्द ही स्व-छंद या ऋत-छंद है। यही स्वच्छंदता कही जाती है। मनुष्य का स्वच्छता में तल्लीन रहना उसे उसके स्वधर्म के योग्य बनाता है और बृहत्तर पैमाने पर स्वधर्म पालन से ही राज-धर्म का तानाबाना बुना जाता है। राज, धर्म का हो अधर्म का नहीं, यही राज-धर्म है। साधना की इस क्रिया व्यवहार को जीवन में उतारने और जानने पर व्यक्ति के चित्त में स्वराज क्या है, यह स्पष्ट हो जाता है। तब सुराज और स्वराज एक ही हो जाता है और जो सुराज होगा वह धर्म राज होगा ही। इस तरह संसार में धर्मराज होगा तो सुराज तो वह होगा ही। स्वभाव को ही अध्यात्म कहा जाता है। बिना स्वभाव में रहे, न तो आत्म साक्षात्कार संभव है, न पर-सेवा और ना ही व्यक्तिगत साधना। इन सब का सही क्रम और सबकी सही विधि जानने पर आपको स्वयं ही न केवल मेरी प्राथमिकताएं स्पष्ट हो सकती हैं बल्कि आपकी अपनी प्राथमिकताएं भी स्पष्ट हो सकती हैं।

इन्दौर में संत पदमचन्द्र की स्मृति में तीन दिवसीय आयोजन

मानवता के मसीहा थे प्रवर्तकश्री पदम गुरुदेव : डॉ. वरुण मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इन्दौर। राष्ट्रसंत, उत्तर भारतीय प्रवर्तकश्री पदमचंद्रजी के 26वें पावन पुण्यस्मृति के उपलक्ष्य में एक मई से तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन इंदौर स्थित इमली बाजार महावीर भवन में किया जा रहा है। इस अवसर पर श्रमण संघीय प्रवर्तक राष्ट्रसंत श्री पंकज मुनिजी सहित अनेक संत-महात्माओं का सान्निध्य प्राप्त होगा। साथ ही आचार्यश्री जितरत्नसागर सूरीश्वरजी, आचार्यश्री विश्वरत्नसागरसूरीश्वरजी, प्रवर्तकश्री प्रकाश मुनिजी, श्री राजेशमुनिजी, साध्वीश्री रमणीककुंवरजी (दमू), विजयाश्रीजी एवं श्री रश्मिश्रीजी सहित अनेक संत-साध्वियाँ का सान्निध्य मिलेगा। डॉ. वरुणमुनिजी दादा गुरुदेव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विशेष प्रकाश डालेंगे। 1 मई को धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा जिसमें सामूहिक सामायिक व्रत-आराधना करने एवं दादा गुरुदेव के संयममय जीवन के प्रति श्रद्धा अर्पित करने का आह्वान किया है। समाजसेवी रमेश भंडारी ने बताया कि इस अवसर पर प्रेस्टिज ग्रुप के नेमनाथ, डेविश, डिपिन परिवार द्वारा गौतम प्रसादी का लाभ लिया गया है। वहीं परम गुरु भक्त कीर्ति एवं सोनल जैन परिवार द्वारा सेवक सम्मान एवं वस्त्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। एक मई को सामायिक दिवस एवं गुणगान सभा, 2 मई को प्रसादम वितरण तथा रविवार को अनुराग नगर जैन स्थानक में सामूहिक नवकार महामंत्र का अखंड जाप होगा। समाजसेवी राजकुमार जैन ने सभी श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरु दर्शन, प्रवचन श्रवण एवं धर्मलाभ प्राप्त करने का निवेदन किया है।

शिवाजी पुस्तक विवाद पर फडणवीस ने कहाः खराब भाषा का इस्तेमाल करना अस्वीकार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि शिवाजी महाराज पर लिखी पुस्तक के प्रकाशक के खिलाफ शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मराठा शासक का सभी लोग सम्मान करते हैं।

गायकवाड़ ने छत्रपति शिवाजी महाराज को मराठी पुस्तक में उनके पहले नाम से संबोधित किए जाने पर आपत्ति जताते हुए कोल्हापुर स्थित प्रकाशक प्रशांत अम्बी को फोन पर धमकी दी जिससे विवाद खड़ा हो गया। यह पुस्तक मूल रूप से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी नेता दिवंगत गोविंद पानसरे ने लिखी थी और 1988 में प्रकाशित हुई थी। फडणवीस ने त्र्यम्बेकश्वर में पत्रकारों से कहा, '' 40 साल पहले प्रकाशित पुस्तक पर विवाद उठाना खड़ा करना नहीं है। इस तरह की आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग भी स्वीकार्य नहीं है।'' उन्होंने कहा कि (उपमुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष) एकनाथ शिंदे इस मामले में गायकवाड़ को उचित निर्देश देंगे। प्रकाशक ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि गायकवाड़ ने पुस्तक 'शिवाजी कौन होता' (शिवाजी कौन थे) को लेकर जान से मारने की धमकी दी और अपशब्दों का प्रयोग किया।

गायकवाड़ ने प्रकाशक को फोन पर बातचीत के दौरान जीभ 'काट देने' की धमकी दी जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। बाद में गायकवाड़ ने खेद व्यक्त किया है, लेकिन यह भी कहा है कि प्रकाशन में मराठा सम्राट को सम्मानपूर्वक संबोधित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''प्रकाशक के खिलाफ मैंने जो भी आपत्तिजनक टिप्पणी की, उसके लिए मैं खेद व्यक्त करता हूं।'' उन्होंने दावा किया कि पुस्तक में ऐसे उदाहरण हैं जहां शिवाजी को ''अपमानजनक'' तरीके से संबोधित किया गया है। उन्होंने कहा, ''मुझे किताब से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जिसने भी इसे प्रकाशित किया है, उसे छत्रपति शिवाजी महाराज को सम्मान के साथ संबोधित करना चाहिए।''

धीरेंद्र शास्त्री ने शिवाजी महाराज को रामदास स्वामी से जोड़कर उनका अपमान किया : हर्षवर्धन सपकाल

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शनिवार को प्रवचनकर्ता धीरेंद्र शास्त्री पर छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्थ रामदास से जोड़कर उनका अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक प्रेस वार्ता में कहा, शिवाजी महाराज और रामदास स्वामी को आपस में न जोड़ें। वे अलग-अलग कालखंडों से संबंधित हैं। यह भाजपा द्वारा इतिहास को विकृत करने का जानबूझकर किया गया प्रयास है। सपकाल ने आरोप लगाया कि छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करना भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय नीति है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र की जनता शिवाजी महाराज के प्रति किसी भी प्रकार का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। धीरेंद्र शास्त्री, (मुख्यमंत्री) देवेंद्र फडणवीस, (केंद्रीय मंत्री) नितिन गडकरी और आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत को महाराष्ट्र से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हालांकि शास्त्री ने इन नेताओं की उपस्थिति में अत्यंत आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, लेकिन उनमें से किसी ने भी बुनियादी विरोध तक दर्ज नहीं कराया।

सपकाल ने कहा, शिवाजी महाराज को पूरे देश में आदर दिया जाता है। उनके विचारों ने महाराष्ट्र और राष्ट्र दोनों का मार्गदर्शन किया। हिंदवी स्वराज की अवधारणा संविधान में भी परिलक्षित होती है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि आरएसएस के विचारक एम.एस. गोलवलकर और हिंदुत्ववादी नेता वी.डी. सावरकर के लेखन में शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज के बारे में आपत्तिजनक संदर्भ शामिल हैं। शास्त्री ने कथित तौर पर कहा था कि शिवाजी महाराज ने वर्षों के युद्ध के बाद अपने गुरु समर्थ रामदास से संपर्क किया और अपनी जिम्मेदारियों का त्याग करके विश्राम करने की इच्छा व्यक्त की। शास्त्री ने यह भी दावा किया कि समर्थ रामदास ने छत्रपति शिवाजी द्वारा उन्हें भेंट किया गया मुकुट उनके सिर पर वापस रख दिया और उन्हें शासन जारी रखने का निर्देश देते हुए याद दिलाया कि सच्ची सेवा व्यक्तिगत थकावट के बावजूद अपने दायित्वों को पूरा करने में निहित है। शास्त्री, जिन्हें बाबा बागेश्वर धाम के नाम से भी जाना जाता है, ने एक दिन पहले नागपुर में एक शिलान्यास समारोह में भाग लिया था।

मुख्यमंत्री मान ने दल बदलने वाले सात आप सांसदों की तुलना अदरक, लहसुन, धनिया से की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वाले राज्यसभा के सात सदस्यों पर निशाना साधते हुए उनकी उपमा सब्जी एवं मसालों से की। उन्होंने कहा कि दलबदल करने वाले इन नेताओं का अपने आप में कोई खास महत्व नहीं है।

मान ने 'एक्स' पर पंजाबी में लिखी एक व्यंग्यात्मक पोस्ट में, अदरक, लहसुन, जीरा, मेथी पाउडर, लाल मिर्च, काली मिर्च और धनिया। ये सातों चीजें मिलकर किसी व्यंजन को स्वादिष्ट बनाती हैं लेकिन अकेले ये व्यंजन नहीं बन सकतीं। उनकी यह टिप्पणी दल बदलने वाले सात नेताओं को गद्दार कहने के एक दिन बाद आई है।

'आप' के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने शुक्रवार को एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए पांच अन्य सांसदों के

साथ पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। इनमें अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, स्वाति मालीवाल और विक्रमजीत साहनी शामिल हैं। चड्ढा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने सिद्धांतों, मूल्यों और बुनियादी नैतिकता से भटक गई है, यही कारण है कि वह भाजपा में शामिल हो रहे हैं। मान ने नेताओं के पार्टी छोड़ने के तुरंत बाद भाजपा पर आरोप लगाया कि वह 'आप' को तोड़ने की कोशिश कर रही है। साथ ही उन्होंने दल बदलने वाले नेताओं पर भी पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

आप के सात सांसदों का भाजपा के साथ विलय असंवैधानिक : सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने शनिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सदस्यों का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ विलय करना असंवैधानिक है और नियमों के तहत उनकी सदस्यता भी जा सकती है। राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता ने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी से जुड़ा घटनाक्रम संविधान की 10वीं अनुसूची में निर्धारित नियमों के खिलाफ है। राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल समेत आप के सात राज्यसभा सदस्यों ने शुक्रवार को भाजपा के साथ विलय की घोषणा की थी।

सिब्बल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में विलय करने वाले सातों सांसदों और खुद भाजपा के लोगों को यह पता नहीं होगा कि विलय का क्या मतलब होता है। शायद उन्हें संविधान की समझ नहीं है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा के लोगों को सिर्फ इतना पता है कि कैसे किसी को खरीदना है। सिब्बल ने कहा, विलय का मतलब यह होता है कि सबसे पहले एक राजनीतिक दल को फैसला करना होता है कि कि हम विलय करेंगे। यानी यदि आम आदमी पार्टी संगठन के स्तर पर बैठक बुलाकर यह प्रस्ताव पारित करती कि हम भाजपा के साथ विलय करते हैं, तो यह हो सकता था। एक दूसरे तरह का भी विलय होता है कि दो दल मिलकर एक नया दल बना लें। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजनीतिक दल के विलय के बाद ही सांसदों का किसी दूसरे दल में विलय हो सकता है। उन्होंने कहा कि आप के सात सांसदों का विलय अंसवैधानिक है।

बाल ठाकरे शिवसेना के साथ गद्दारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के पक्षधर थे : अरविंद सावंत

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के सांसद अरविंद सावंत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली प्रतिद्वंद्वी शिवसेना पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा कि शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे का स्पष्ट कहना था कि पार्टी से ''गद्दारी'' करने वाले निर्वाचित नेताओं के साथ सख्ती से पेश आना चाहिए। सावंत ने कहा कि ठाकरे के विचार, खासकर संगठन के प्रति निष्ठा और प्रतिबद्धता पर उनका जोर आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं । बोरीवली में 'जय महाराष्ट्र नगर' व्याख्यानमाला के 44वें संस्करण को संबोधित करते हुए मुंबई दक्षिण के सांसद ने शुक्रवार को कहा, ''जो व्यक्ति पार्टी का टिकट लेकर चुनाव जीते और फिर पार्टी के प्रति वफादार न रहे तो यह पार्टी के साथ गद्दारी है। बालासाहेब ठाकरे कहते थे कि ऐसी गद्दारी बर्दाश्त नहीं होनी चाहिए और कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।'' यह व्याख्यान 'आठवणींतले बालासाहेब'' (बालासाहेब की यादें) शीर्षक से ठाकरे की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

केसीआर की बेटी कविता ने नए राजनीतिक दल 'टीआरएस' की शुरुआत की

पिता को 'संवेदनहीन' बताया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना जागृति संगठन की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता ने शनिवार को 'तेलंगाना राष्ट्र सेना' (टीआरएस) नामक नए राजनीतिक दल की शुरुआत की। कविता ने हैदराबाद के बाहरी इलाके में आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी पार्टी के नाम और एजेंडा की घोषणा करते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस, भाजपा और बीआरएस पर तीखा हमला किया तथा अपने पिता को एक ''बदला हुआ व्यक्ति'' बताया जिनमें कोई ''संवेदना'' नहीं है।

उनके पिता के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का मूल नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) था। हालांकि, राष्ट्रव्यापी स्तर पर पार्टी के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना के मद्देनजर 2022 में इसका नाम बदलकर बीआरएस कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा अब भ्रष्टाचार, ''परिवारवाद'' और पक्षपात से ग्रस्त हैं और उन्होंने 'पांचजन्य' की घोषणा की, जिसमें मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सहित पांच वादे शामिल हैं। अपने पिता चंद्रशेखर राव और भाई के. टी. रामा राव पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि केसीआर अब ''राजनीतिक परिपक्वता'' खो चुके हैं। उन्होंने कहा, ''अगर केटीआर ऐसा बोलते हैं तो समझ में आता है। उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन केसीआर कहते हैं कि लोगों ने गलती की। ठीक है, मान लेते हैं कि लोगों ने आपको सत्ता न देकर गलती की। एक मां के रूप में, अगर मेरा बेटा गलती करता है तो क्या मैं उसे छोड़ दूंगी?

आप अब पहले जैसी पार्टी नहीं रही, केजरीवाल के साथ कोई काम नहीं कर सकता : स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी से बगावत कर भाजपा में शामिल हुईं स्वाति मालीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि उनकी पूर्व पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से ''भटक गई'' है और इसके नेता अरविंद केजरीवाल अब पहले जैसे नहीं हैं। दिल्ली में सत्ता गंवाने के महज एक साल बाद 'आप' को शुक्रवार को उस समय सबसे बड़ा झटका लगा, जब राघव चड्ढा और मालीवाल समेत सात राज्यसभा सदस्यों ने एक साथ पार्टी छोड़ दी। बागियों में पार्टी संगठन के अहम चेहरे संदीप पाठक, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी भी शामिल हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद मालीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''निर्णायक और मजबूत नेतृत्व'' की तारीफ की। मालीवाल ने कहा, ''मैंने घर छोड़ा, सात साल झुग्गियों में रही, नौकरी छोड़ी और हर आंदोलन में साथ दिया। लेकिन जब केजरीवाल के घर उनके सहयोगी ने मुझ पर हमला किया और मैंने प्राथमिकी दर्ज कराने की कोशिश की, तो मुझे ही दबाया गया।''

आईसीयू के लिए न्यूनतम मानकों को लागू करने के संबंध एक कार्ययोजना तैयार की जाए: न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाइयों) के लिए न्यूनतम मानकों को लागू करने के संबंध में एक वास्तविक और व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार करें।

शीर्ष अदालत को बताया गया कि गहन चिकित्सा सेवा की आपूर्ति करने वाले और संगठनों के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं, इनपर सहमति बन गई है। ये व्यावहारिक, कार्यान्वयन योग्य तथा आईसीयू के लिए न्यूनतम मानकों के रूप में आवश्यक हैं। न्यायमूर्ति एहसानुद्दीन अमीनुल्ला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि इन दिशानिर्देशों की प्रतियां सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजी जानी चाहिए।

पीठ ने 20 अप्रैल के अपने आदेश में कहा, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख अतिरिक्त मुख्य सचिव/सचिव सभी संबंधित विशेषज्ञों की बैठक बुलाएं ताकि दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के लिए एक कार्ययोजना तैयार की जा सके। यह योजना वास्तविक और व्यावहारिक होनी चाहिए। शीर्ष अदालत स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रही थी।

सुनवाई के दौरान, सुझाव दिया गया कि भविष्य की ज़रूरतों को देखते हुए, नर्सिंग स्टाफ को विभिन्न स्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, क्योंकि वे मरीज़ के साथ 24 घंटे रहते हैं, जबकि चिकित्सक समय-समय पर ही आते हैं। पीठ ने कहा, हम इस सुझाव का पूरी तरह समर्थन करते हैं, जो न केवल व्यावहारिक है, बल्कि अत्यंत आवश्यक भी है।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने 'विक्रम-1' रॉकेट के उड़ान उपकरण को हरी झंडी दिखाकर श्रीहरिकोटा रवाना किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को स्काईरूट एयरोस्पेस के 'विक्रम-1' रॉकेट के उड़ान उपकरण ले जा रहे एक ट्रक को हरी झंडी दिखाकर प्रक्षेपण स्थल सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा के लिए रवाना किया।

विक्रम-1, भारत का पहला निजी तौर पर विकसित कक्षीय रॉकेट है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्काईरूट आने वाले महीनों में कक्षीय प्रक्षेपण के लिए तैयार है।

इस अवसर पर स्काईरूट टीम को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत गर्व की बात है कि रॉकेट का पूरा डिजाइन और विकास हैदराबाद में ही हुआ है।

रेड्डी ने कहा, ''स्काईरूट ने अंतरिक्ष में उपग्रहों को ले जाने के लिए भारत का पहला निजी तौर पर निर्मित कक्षीय रॉकेट विकसित किया है। कंपनी ने अपना पहला रॉकेट 2022 में प्रक्षेपित किया था, और इतने कम समय में कक्षीय प्रक्षेपण के चरण तक पहुंचना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।''

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना भारत में एयरोस्पेस क्षेत्र में पहले स्थान पर है। रेड्डी ने कहा कि बोइंग और एयरबस जैसी वैश्विक अग्रणी कंपनियां पहले से ही तेलंगाना में मौजूद हैं।

रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य वर्ष 2047 तक एयरोस्पेस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनना है।

उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा परिणाम :

लड़कियों ने मारी बाजी, उत्तीर्ण प्रतिशत बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/पिथौरागढ़/भाषा। उत्तराखंड में 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम शनिवार को घोषित कर दिए गए, जिसमें लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बागेश्वर की गीतिका पंत और उधम सिंह नगर की सुशीला मेहंदीरत्ता ने संयुक्त रूप से 98 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं कक्षा की परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

वहीं, रामनगर के अक्षत गोपाल ने 98.20 प्रतिशत अंकों के साथ हाईस्कूल परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस बार राज्य में 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों के प्रतिशत में वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने नैनीताल जिले के रामनगर में स्थित बोर्ड मुख्यालय में परिणाम जारी करते हुए बताया कि 12वीं कक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत बढ़कर 85.11 प्रतिशत हो गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.88 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा, ''इन बेहतर परिणामों में हमारे शिक्षकों और विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण झलकता है।'' रावत ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और शीर्ष स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों से फोन पर बातचीत भी की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए परिणामों को उनकी निरंतर मेहनत और अनुशासन का प्रमाण बताया।

उन्होंने अपेक्षित परिणाम न पाने वाले विद्यार्थियों से धैर्य और सकारात्मक सोच बनाए रखने का आह्वान किया। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, धामी ने कहा, ''धैर्य और सकारात्मक सोच से आपको निश्चित रूप से सफलता मिलेगी।''

वी. सोमण्णा ने तुमकुरु में दो पैदल यात्री सबवे की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शनिवार को तुमकुरु में मारुतिनगर और क्यातसंद्रा रेलवे स्टेशन के पास पुराने एलसी नंबर 36 पर पैदल यात्री सबवे के निर्माण की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि ये सबवे जनता के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक क्रॉसिंग सुविधाएँ प्रदान करेंगे और रेलवे पटरियों पर अनाधिकृत प्रवेश को रोकने में मदद करेंगे। क्यातसंद्रा रेलवे स्टेशन के पास पुराने लेवल क्रॉसिंग नंबर 36 पर पैदल यात्री सबवे का निर्माण लगभग 5.5 करोड़ की अनुमानित लागत से किया जा रहा है, जबकि तुमकुरु और क्यातसंद्रा स्टेशनों के बीच मारुति नगर में एक अन्य सबवे की अनुमानित लागत 3.5 करोड़ है। दोनों परियोजनाओं को जनवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

वी. सोमन्ना ने यह भी घोषणा की कि यलहंका में एक नए मेगा कोचिंग टर्मिनल की योजना बनाई गई है। तुमकुरु के तिम्माराजनहल्ली में एक एकीकृत कंटेनर लॉजिस्टिक्स टर्मिनल स्थापित किया जाएगा, जिससे रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि बेंगलूरु–तुमकुरु रेलवे लाइन के चौहरीकरण का कार्य भी शुरू किया जाएगा। येलहंका से अरसीकेरे तक, यशवंतपुर और तुमकुरु होते हुए, एक नई मेमू ट्रेन सेवा भी जल्द ही शुरू की जाएगी। रायदुर्ग–तुमकुरु (207 किमी) नई रेलवे लाइन परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और दिसंबर 2027 तक इसके पूरा होने की संभावना है। तुमकुरु–दावणगेरे–चित्रदुर्गा नई रेलवे लाइन पर भी काम अच्छी गति से चल रहा है।

तुमकुरु शहर के विधायक जीबी ज्योति गणेश, तुमकुरु ग्रामीण के विधायक बी. सुरेश गौड़ा ने सभा को संबोधित किया। अपरमंडल रेल प्रबंधक बेंगलूरु मंडल प्रवीण कटारकी और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ इस अवसर पर उपस्थित थे।

पैन-आईआईटी बेंगलूरु शिखर सम्मेलन मई में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पैन आईआईटी एलुमनाई इंडिया एसोसिएशन और कर्नाटक सरकार के सहयोग से, पैन–आईआईटी बेंगलूरु समिट 2026 का आयोजन 16 मई को बेंगलूरु में किया जा रहा है। कर्नाटक सरकार के ई–गवर्नेंस विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार पांडे ने शनिवार आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शिखर सम्मेलन का विषय प्रौद्योगिकी में स्वायत्तता होगा।

आज कर्नाटक, विशेषकर बेंगलूरु, भारत की तकनीकी महत्वाकांक्षाओं का केंद्र बनकर उभरा है। यह देश के प्रमुख सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) योगदानकर्ताओं में से एक है और उद्यम पूंजी निवेश का भी एक प्रमुख केंद्र है। उन्होंने कहा स्टार्टअप और नवाचार को वित्तपोषण में इसकी भूमिका, हजारों इंजीनियरिंग कॉलेजों की उपस्थिति और दुनिया के सबसे बड़े प्रतिभा भंडारों में से एक होने के कारण बेंगलूरु को पूर्व की सिलिकॉन वैली का खिताब मिला है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक ने सार्वजनिक क्षेत्र और प्रौद्योगिकी कंपनियों के माध्यम से एयरोस्पेस, रक्षा और बुनियादी इंजीनियरिंग क्षेत्रों में मजबूत पकड़ बनाई। बाद में, इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल और विप्रो जैसी आईटी दिग्गजों के उदय के साथ, इसने भारत को वैश्विक प्रौद्योगिकी मानचित्र पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा देश वर्तमान में गहन प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैज्ञानिक नवाचार के चरण की ओर अग्रसर है। इस स्तर पर शिक्षा जगत, उद्योग और सरकार के बीच मजबूत सहयोग आवश्यक है। यह तकनीकी स्वायत्तता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, और इसी संदर्भ में अखिल–आईआईटी बेंगलूरु शिखर सम्मेलन 2026 का गठन किया गया है।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए, पैन आईआईटी के अध्यक्ष प्रभात कुमार (आईआरएस) ने कहा कि शिखर सम्मेलन में एआई, रक्षा, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, गतिशीलता और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्रों में उच्च स्तरीय पूर्ण सत्र, गहन पैनल चर्चा और समानांतर चर्चाएं होंगी। उन्होंने कहा, चयनित और उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप्स को पिच–हैकाथॉन के माध्यम से 200 से अधिक वेंचर कैपिटलिस्ट से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा, 10,000 प्रतिभागियों वाले इस हैकाथॉन में कर्नाटक सरकार द्वारा दी गई वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजा जाएगा। यह शिखर सम्मेलन, 23 आईआईटी के 5 लाख से अधिक पूर्व छात्रों की सामूहिक पहल है, जो प्रौद्योगिकी, व्यवसाय और नीति निर्माण में सक्रिय वैश्विक समुदाय को एक साथ लाएगा। यह नवाचार, उद्यमिता और राष्ट्र निर्माण के अगले चरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिन भर चलने वाले इस शिखर सम्मेलन में मुख्य भाषण, पैनल चर्चा, सीएक्सओ राउंडटेबल, शीर्ष स्टार्टअप्स का प्रदर्शन, एक हैकाथॉन और नवाचार प्रदर्शन शामिल होंगे।

इस शिखर सम्मेलन में आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर, कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन, एएनआरएफ के सीईओ शिवकुमार कल्याणरामन, इंडिया एआई मिशन के पूर्व सीईओ अभिषेक सिंह, तेजस विमान के मुख्य डिजाइनर डॉ. कोटा हरिनारायण, कर्नाटक सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) गौरव गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव (शहरी विकास और गृह) तुषार गिरि नाथ, ई – गवर्नेंस विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार पांडे, टैली सॉल्यूशंस के संस्थापक भरत गोयनका, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया के प्रबंध निदेशक वेंकट पद्मनाभन, मीशो के सह–संस्थापक और सीईओ विदित अत्रेयी, ग्रोव के सह– संस्थापक और सीओओ हर्ष जैन, अथर एनर्जी के सह– संस्थापक और सीईओ तरुण मेहता, स्विगी के सह– संस्थापक और सीईओ फणी किशन अड्डेपल्ली, पीडब्ल्यूसी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के प्रमुख राजेश ओझा और एसएपी ग्लोबल डिलीवरी के प्रमुख रजनीश प्रसाद सहित अनेक गणमान्य उपस्थित होंगे।

कर्नाटक में आवासीय विद्यालयों का दबदबा, एसएसएलसी परीक्षा में 99.41 प्रतिशत छात्र हुए सफल

बेंगलूरु। कर्नाटक के समाज कल्याण मंत्री डॉ. एच. सी. महादेवप्पा ने हाल ही में घोषित एसएसएलसी परीक्षा परिणामों में कर्नाटक आवासीय शिक्षण संस्थान संघ (केआरईआईएस) के छात्रों के अभूतपूर्व प्रदर्शन की सराहना की है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मंत्री ने बताया कि इस वर्ष सफलता दर में पिछले वर्ष की तुलना में 8.37 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। परीक्षा में शामिल हुए 35,014 छात्रों में से 34,809 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। कुल उत्तीर्ण छात्रों में से 30,971 (लगभग 89 प्रतिशत) ने डिस्टिंक्शन और प्रथम श्रेणी हासिल की है। कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 99.41 रहा, जिसमें लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों की तुलना में बेहतर रहा। वर्तमान में केआरईआईएस के तहत 874 आवासीय विद्यालय और कॉलेज संचालित हैं, जिनमें 2,17,970 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

सीईटी के दौरान जनेऊ हटाए जाने की मंत्री दिनेश गुंडूराव ने की निंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केसीईटी परीक्षा के दौरान कथित तौर पर जनेऊ और अन्य धार्मिक प्रतीकों को हटाए जाने को लेकर विवाद शनिवार को तेज हो गया। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने इस कृत्य की निंदा करते हुए इसे ''अमानवीय'' बताया और विश्व हिंदू परिषद ने धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। मडिवाला स्थित कृपानिधि कॉलेज में हुई घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने मामले का संज्ञान लिया है और पारदर्शी तरीके से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

राव ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, छात्र–छात्राओं को कान की बालियां, चूड़ियां, हिजाब या जनेऊ उतारने के लिए कहना और यहां तक ड्डड्डकि कैंची से उनकी आस्तीनें काटकर उनका मनोबल गिराना एक अमानवीय कृत्य है, जो अस्वीकार्य और निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों को छात्रों के ज्ञान का परीक्षण करना चाहिए, न कि उनकी गरिमा को ठेस पहुंचानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कड़े कदम उठाएगी। मंत्री ने प्रभावित छात्रों से आत्मविश्वास न खोने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद, कर्नाटक दक्षिण ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि इससे हिंदू समुदाय के धार्मिक अधिकारों और आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है।

संगठन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''सीईटी परीक्षा के दौरान छात्रों द्वारा अपने जनेऊ उतारने और काटने की घटना ने हिंदू समुदाय के धार्मिक अधिकारों, संस्कृति और आत्मसम्मान का उल्लंघन किया है।'' पवित्र जनेऊ को धार्मिक विरासत और गरिमा का प्रतीक बताते हुए संगठन ने कहा, ''समाज ऐसे किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं करेगा जो इसका अपमान करता हो।''

संगठन ने यह भी कहा कि पिछले साल भी राज्य में इसी तरह की घटनाएं हुई थीं और इसकी पुनरावृत्ति ''दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय'' है। इसने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज कल्याण को नुकसान पहुंचा रही हैं और कुछ स्कूल तथा कॉलेज हिंदू समाज के प्रति घृणा को बढ़ावा दे रहे हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब छात्रों ने आरोप लगाया कि परीक्षा केंद्र पर तैनात निरीक्षकों ने उनसे सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के दौरान धार्मिक चिह्न हटाने को कहा, जिनमें जनेऊ भी शामिल था। इस घटना के बाद, एक निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया और पुलिस ने पूछताछ के लिए तीन कर्मचारियों को हिरासत में लिया। सीईटी परीक्षा राज्य भर में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है।

कर्नाटक सीईटी विवाद : भाजपा का कांग्रेस पर हिंदुओं के साथ दोयम दर्जे के 'व्यवहार' का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। कर्नाटक में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) में शामिल वाले छात्रों से कथित तौर पर जनेऊ उतारने के लिये कहे जाने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को राज्य की कांग्रेस नीत सरकार पर हिंदू विरोधी होने और दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। शुक्रवार को सीईटी परीक्षा के दौरान शहर के एक कॉलेज में पांच ब्राह्मण छात्रों को कथित तौर पर जनेऊ हटाने के लिए मजबूर किए जाने के बाद एक राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।

छात्रों ने आरोप लगाया कि मडिवाला में परीक्षा निरीक्षकों ने उनसे कहा कि यदि वे परीक्षा देना चाहते हैं, तो जनेऊ उतारें। 'एक्स' पर एक वीडियो में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया, क्या कर्नाटक में हिंदू होना अपराध है? कर्नाटक में छात्रों को जनेऊ पहनने के कारण परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने से रोक दिया गया और उन्हें अपना धर्म या अपना भविष्य, दोनों में से किसी एक को चुनने के लिए कहा गया। पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था।

उन्होंने कहा, कर्नाटक में हमने तुष्टीकरण की राजनीति देखी है। मुस्लिमों के लिए आरक्षण, केवल मुसलमानों के लिए बजट, उनके लिए कोटा और संविदात्मक कार्य। लेकिन हिंदुओं को परीक्षा देने के लिए अपनी जनेऊ उतारनी पड़ती है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह अन्य राज्यों में भी इसी तरह का रवैया अपना रही है जहां वह सत्ता में है, कक्षाओं में हिजाब और बुर्का पहनने की अनुमति दे रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस शासित कई राज्यों में ऐसा हो चुका है। हमने देखा है कि कांग्रेस पार्टी कक्षा में हिजाब और बुर्का पहनने के अधिकार का समर्थन करती है। वो कहती है कि इसकी इजाजत होनी चाहिए। जबकि अदालतों ने भी इसके खिलाफ फैसला दिया है।

उन्होंने कहा, लेकिन जनेऊ के मामले में वे इसे हटाना चाहते हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। तेलंगाना और अन्य राज्यों में तिलक और मंगलसूत्र हटवा दिए गए। लेकिन हिजाब ठीक है। हिंदुओं के साथ इसी तरह का दोयम दर्जे का व्यवहार किया जा रहा है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस को अपना नाम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) से बदलकर एमएमसी – मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस या इस्लामिक राष्ट्रीय खिलाफत पार्टी रख लेना चाहिए। पैगंबर मोहम्मद की मृत्यु के बाद इस्लाम के प्रमुख को खलीफा कहते थे। इसी विचारधारा को 'खिलाफत' कहा जाता है। मामले के बाद कॉलेज ने जांच लंबित रहने तक निरीक्षक को निलंबित कर दिया। सरकार ने भी जांच के आदेश दिए। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर कृपानिधि कॉलेज के परीक्षा निरीक्षण के प्रभारी तीन कर्मचारियों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

बेंगलूरु एयरपोर्ट पर 'सोल ऑफ बेंगलूरु' का जलवा

स्पेनिश कलाकार की कलाकृति बढ़ाएगी टर्मिनल-2 की रौनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अपनी हरियाली और तकनीकी नवाचार के लिए मशहूर 'गार्डन सिटी' और 'सिलिकॉन वैली' के गौरव को अब कला का एक नया आयाम मिल गया है। केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (बीएलआर) के टर्मिनल–2 पर 'सोल ऑफ बेंगलूरु' नामक एक भव्य आर्टिस्टिक स्कल्पचर का अनावरण किया गया है। यह शानदार कलाकृति बायोकॉन फाउंडेशन और बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) के साझा प्रयास का परिणाम है। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त स्पेनिश कलाकार जैम प्लेंसा ने तैयार किया है। इसका आधिकारिक उद्घाटन भारत में स्पेन के राजदूत जुआन एंटोनियो मार्च पुजोल ने किया। उद्घाटन समारोह में कर्नाटक के आईटी–बीटी मंत्री प्रियांक खरगे, बायोकॉन ग्रुप की चेयरपर्सन किरण मजूमदार–शॉ और बीआईएएल के सीईओ हरि मरार प्रमुख रूप से शामिल हुए।बीआईएएल के सीईओ हरि मरार ने बताया कि टर्मिनल–2 को सिर्फ एक ट्रेवल गेटवे नहीं, बल्कि एक कल्चरल गेटवे के रूप में विकसित किया गया है।

गौरतलब है कि बेंगलूरु एयरपोर्ट ने स्काईट्रैक्स की 2026 की 'वर्ल्ड्स बेस्ट आर्ट एयरपोर्ट' रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाते हुए 5वां स्थान हासिल किया है। यह आर्टवर्क अब एयरपोर्ट से गुजरने वाले लाखों यात्रियों के लिए बेंगलूरु की एक अमिट और खूबसूरत याद बनकर उभरेगा।

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में कहीं भी पुनर्मतदान का आदेश नहीं

नईदिल्ली/चेन्नई। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए किसी भी मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गई है। दोनों राज्यों में बृहस्पतिवार को मतदान हुआ था। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीट पर एक ही चरण में मतदान हुआ जबकि पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए पहले चरण में 152 सीट पर वोट डाले गए। पश्चिम बंगाल की शेष 142 सीट पर 29 अप्रैल को मतदान होगा। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने पहले नियमों का हवाला देते हुए कहा था कि अगर किसी मतदान केंद्र पर वेबकास्टिंग को ''जानबूझकर'' बाधित किया जाता है तो वहां पुनर्मतदान कराया जाएगा। तमिलनाडु में 2021 के विधानसभा चुनावों में चेन्नई के एक मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान का आदेश दिया गया था। उस समय खराब वोटर वेरीफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) मशीन को दोपहिया वाहन पर ले जाया गया था। उस क्षेत्र की 'जोनल पार्टी' ने गलती से उसे इस्तेमाल नहीं की गई खराब मशीन समझ लिया था।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बीईएमएल में 'आदित्य' कॉम्प्लेक्स का किया उद्घाटन

दक्षिणी मेट्रो शहरों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी की परिकल्पना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेलवे, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को बेंगलूरु में बीईएमएल के तिप्पासांद्रा कैंपस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 'आदित्य' नामक एक विशेष कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया, जो हाई–स्पीड रेल के निर्माण के लिए समर्पित है। अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि हाई–स्पीड रेल तकनीक बेहद जटिल और पेचीदा होती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के भीतर इस तकनीक का विकास स्वदेशी इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हाल ही में उद्घाटन किए गए 'आदित्य' कॉम्प्लेक्स को वर्तमान में बी–28 कोचों के विकास के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मंत्री ने हाई–स्पीड रेल की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन ट्रेनों के आने से बड़े शहर एक–दूसरे के विस्तार के रूप में देखे जाएंगे। उन्होंने चेन्नई और बेंगलूरु के बीच यात्रा के समय का उदाहरण दिया, जिसके घटकर मात्र 73 मिनट रह जाने की उम्मीद है। इससे ये दोनों शहर प्रभावी रूप से एक ही एकीकृत केंद्र (हब) का हिस्सा बन जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि दो नई सेवाओं की शुरुआत से कनेक्टिविटी में और अधिक सुधार होगा। हुब्बल्ली के रास्ते एलएचबी कोचों वाली एक नई 'मेल एक्सप्रेस' शुरू की जाएगी, और जल्द ही एक 'वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस' भी अपनी सेवाएं देना शुरू कर देगी। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के मुद्दे पर बात करते हुए, मंत्री ने पुष्टि की कि मंगलूरु और बेंगलूरु के बीच 'वंदे भारत' सेवा बहुत जल्द शुरू की जाएगी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस सेवा की योजना बनाते समय, इसके कार्यान्वयन से पहले मडगांव और कर्नाटक के अन्य तटीय शहरों को इससे जोड़ने के पहलू पर भी पूरी तरह से विचार किया गया है। इस संबंध में सभी तकनीकी बाधाओं को दूर कर लिया गया है; इनमें हासन–मंगलूरु खंड पर विद्युतीकरण का कार्य पूरा होना और खड़ी ढलानों वाले तटीय मार्गों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'ऑटोमेटेड इमरजेंसी ब्रेकिंग' (ईबी) प्रणालियों को एकीकृत करना शामिल है।

मंत्री ने तिप्पासांद्रा स्थित इस केंद्र में कार्यरत इंजीनियरिंग प्रतिभाओं की सराहना करते हुए अपने दौरे का समापन किया। उन्होंने कहा कि 'रोलिंग स्टॉक' (रेलगाड़ियों के डिब्बों) की अगली पीढ़ी के निर्माण में उनका कार्य 'विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशाल बुनियादी ढांचागत विकास और पर्यावरणीय स्थिरता व जन–जागरूकता के बीच संतुलन बनाए रखने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराया।

भाजपा ने अनुसूचित जाति के लिए आंतरिक आरक्षण को लेकर कांग्रेस की आलोचना की

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने शनिवार को अनुसूचित जाति के लिए आंतरिक आरक्षण पर कांग्रेस सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए कई समुदायों के साथ अन्याय का आरोप लगाया और संशोधित 'कोटा फॉर्मूले' के पीछे की मंशा पर सवाल उठाया।

कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र और भाजपा सांसद गोविंद करजोल ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए उस पर आरक्षण में कटौती और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता की कमी का आरोप लगाया। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को कुल आरक्षण की 15 प्रतिशत की समग्र सीमा के भीतर अनुसूचित जाति (एससी) के संशोधित आंतरिक कोटा फॉर्मूले पर निर्णय लिया। इस फैसले से काफी समय से लंबित सरकारी भर्ती का मार्ग प्रशस्त होगा।

विजयेंद्र ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ऐतिहासिक विश्वासघात किया है और अनुसूचित जातियों की पीठ में छुरा घोंपा है।'' भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के बावजूद अनुसूचित जातियों के बीच आरक्षण के वितरण में लगभग ढाई साल की देरी की, और फिर मंत्रिमंडल के फैसले में उन्हें ए, बी और सी' श्रेणियों में वर्गीकृत किया। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने आरक्षण को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत कर दिया था, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसमें कटौती कर दी है।

तमिलनाडु में मतदान का सटीक आंकड़ा जारी करेगा निर्वाचन आयोग

चेन्नई। भारत निर्वाचन आयोग तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान मताधिकार का इस्तेमाल करने वाले मतदाताओं का सटीक आंकड़ा जारी करेगा। मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में पुरुष, महिला और ट्रांसजेंडर मतदाताओं का अलग–अलग विवरण भी शामिल होगा। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए एक चरण में 23 अप्रैल को मतदान हुआ था और मतगणना चार मई को होगी।

इसके अलावा, यहां आयोग के प्राधिकारी उन सभी सुरक्षित कक्षों का निरीक्षण करेंगे जहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और 'वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) मशीन रखी गई हैं।

आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां कहा कि मतदान के दिन जारी 85.15 प्रतिशत मतदान का आंकड़ा अंतिम नहीं है और यह कुछ मतदान केंद्रों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित था। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर पड़े वास्तविक मतों की संख्या प्रपत्र 17सी में औपचारिक रूप से दर्ज की जाती है जिसका मिलान भारत निर्वाचन आयोग के मुख्यालय में उपलब्ध आंकड़ों से किया जाएगा।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/06
दिनांक: 16.04.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
सुब्रह्मण्या रोड स्टेशन पर सहायक सुविधाओं के साथ साथ क्विक कोच वॉटरिंग सिस्टम का स्थापना।	रु. 41,02,754.03

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 07.05.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर सामान्य/मैसूरु
PUB/54/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

युवा अपने ज्ञान का उपयोग विकसित भारत के निर्माण में करें : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि युवा राष्ट्र निर्माता है। उन्हें अपने ज्ञान का उपयोग विकसित भारत के निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा भारत का भविष्य है। उन्होंने युवाओं से अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और नवाचार के माध्यम से देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने का आह्वान किया है।

उप राष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन शनिवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि वर्ष 2024 और 2025 में विभिन्न डिग्रियों, कोर्स में वितरित किए गए कुल 250 गोल्ड मेडल में से 197 महिला विद्यार्थियों ने प्राप्त किए हैं । वे इस स्प्रिट को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी नारी शक्ति को और सशक्त करने का राष्ट्र का संकल्प है। उन्होंने नारी शक्ति को देश की नींव बताते हुए कहा कि उनके विकास के लिए अधिकाधिक प्रयास होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय वर्ष 1947 से 'सर्विस टू सोसायटी' के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। जिस समाज और देश ने हमें योग्य बनाया, उसे कृतज्ञता के साथ उसका हिस्सा लौटाना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत1947' में अपना योगदान देने के लिए काम मांगने वाले के बजाय रोजगार प्रदाता बनें, उद्यम शुरू करें, इनोवेशन करें, आविष्कार करें, अर्थव्यवस्था और भारतीय ज्ञान परम्परा को नए आयाम दें। उन्होंने युवाओं को अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने और विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान का उपयोग राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में करने का आह्वान किया। प्रतिभा में मानवीयता और गरिमा का समावेश ही सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण सम्भव बनाते हैं। सहानुभूति के बिना उत्कृष्टता और विनम्रता के बिना उपलब्धि अधूरी है।

उन्होंने युवाओं का समाज की भलाई में सार्थक योगदान देने, करुणा बनाए रखने, विविधता का सम्मान करने, ड्रग्स से दूर रहने और सोशल मीडिया का रचनात्मक रूप से उपयोग करने का आह्वान किया। उप राष्ट्रपति ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय कभी राजपूताना विश्वविद्यालय से जाना जाता था। इसका जो ध्येय वाक्य है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। इस ध्येय वाक्य का मूल है, धर्म ही पूरे विश्व का आधार है। उन्होंने कहा कि अच्छा जीवन जीना है तो ईमानदारी, नैतिकता के साथ चरित्र और राष्ट्रप्रेम हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं की नशीले पदार्थों की ओर बढ़ती प्रवृत्ति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से नशीले पदार्थों को भारत भेजा जाता है। इस नशे से भारत के युवा तेजी से बुजुर्ग होते जा रहे हैं। पाकिस्तान यही चाहता है। उन्होंने ड्रग्स को आग बताते हुए कहा कि इससे अपने घर को बचाने की जरूरत है। उन्होंने भारत को समर्थ, शक्तिशाली बनाने का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि जीवन में धैर्य, अनुशासन, अनुकूलन और ईमानदारी के साथ राष्ट्रप्रेम से ही जीवन में सफलताओं का वरण किया जा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में युवाओं को महती भूमिका निभाने पर जोर दिया। राज्यसभा सांसद राधामोहन अग्रवाल ने कहा कि स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल सी. राजगोपालाचारी ने राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर की आधारशिला रखी थी। यह देश का प्रमुख शिक्षण संस्थान है। कुलगुरु श्रीमती अल्पना कटेजा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने छात्र छात्राओं को डिग्री एवं पदक प्रदान किए।

अलवर में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, एक आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में एक नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य की तलाश की जा रही है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार यह घटना बृहस्पतिवार को उस समय हुई जब 15 वर्षीय लड़की स्कूल जा रही थी। वृत्ताधिकारी (राजगढ़) मनीषा मीणा ने कहा, दोनों युवकों ने लड़की को कथित रूप से एक कार में अगवा कर उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। एक आरोपी की पहचान राहुल सैनी (23) के रूप में हुई है जिसे शुक्रवार रात गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दूसरा आरोपी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस घटना को राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की कानून-व्यवस्था की विफलता का प्रमाण बताया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, मीडिया के अनुसार आरोपी के मोबाइल में कई नाबालिग लड़कियों के अश्लील वीडियो मिले हैं, जो यह दर्शाता है कि ये अपराधी लगातार ऐसी वारदातों को अंजाम देते रहे और पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। जब पुलिस अन्य घटनाओं पर कार्रवाई नहीं करती तब ऐसे अपराधियों की हिम्मत बढ़ती है।

नीमराना में कबाड़ के गोदाम में आग लगने से चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नीमराना इलाके में कबाड़ के एक गोदाम में आग लगने से दो नाबालिग लड़कियों सहित चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना शुक्रवार रात की है। पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने देर रात चार शव बरामद किए और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान कविता (15), उसकी सात साल की रिश्तेदार, चालक रविदत्त यादव और गोदाम संचालक के सहयोगी जॉनी के रूप में हुई है।

जॉनी गोदाम में 'प्लास्टिक प्रोसेसिंग' मशीन पर काम करता था। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि चालक प्लास्टिक का सामान खरीदने के लिए हरियाणा से आया था। इस दौरान छोटी लड़की कबाड़ में पड़ी परफ्यूम की बोतलों को छांट रही थी और उनके ढक्कन हटा रही थी। पुलिस को संदेह है कि चालक द्वारा फेंकी गई जलती बीड़ी से बोतलों में मौजूद 'स्पिरिट' (अल्कोहल) में आग लग गई। आग के फैलते ही उससे बचने के लिए वहां मौजूद लोग एक तरफ भागे लेकिन वहां दीवार थी। वे अंदर ही फंस गए और दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि बाद में उनके जले शव बरामद किए गए। उसने बताया कि गोदाम में काम करने वाली एक महिला किसी तहफ बाहर आ गई, लेकिन वह चोटिल हो गई। पुलिस ने पूछताछ के लिए गोदाम मालिक के एक सहयोगी को हिरासत में लिया है जबकि मालिक करण सिंह फरार है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

द ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार का उद्घाटन आज, दिया कुमारी होंगी मुख्य अतिथि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। जयपुर में द ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार (जीआईटीबी) के 15वें संस्करण का उद्घाटन रविवार, 26 अप्रैल को होटल जय महल पैलेस में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शाम 6.30 बजे से होगा। उद्घाटन सत्र में राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, वी. श्रीनिवास द्वारा विशेष संबोधन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में अतिरिक्त सचिव एवं महानिदेशक, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, सुमन बिल्ला, सचिव - पर्यटन, राजस्थान सरकार, शुचि त्यागी, पूर्व अध्यक्ष, फिक्की मेंटर, फिक्की पर्यटन समिति और सीएमडी, द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप, डॉ. ज्योत्सना सूरी, सेक्रेटरी जनरल, फिक्की, अनंत स्वरूप भी संबोधित करेंगे। वहीं, एग्जीबिशन का उद्घाटन 27 अप्रैल को सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में विशिष्ट अतिथियों द्वारा सुबह करीब 10 बजे किया जाएगा। 27 और 28 अप्रैल दो दिनों के दौरान बायर्स और सैलर्स के बीच 10,000 से अधिक पूर्व निर्धारित एवं सुनियोजित बी2बी मीटिंग्स होंगी। इस दौरान मार्ट में महत्वपूर्ण नेटवर्किंग देखने को मिलेगी, जिससे राज्य एवं देश में ट्रैवल व्यवसाय को और बढ़ावा मिलेगा। मार्ट में विभिन्न स्टेट टूरिज्म बोर्ड के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे और अपनी पर्यटन उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। इसमें भाग लेने वाले राज्यों में राजस्थान (मेज़बान राज्य), ओडिशा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गोवा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब आदि शामिल हैं। इस ट्रैवल बाजार में 50 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतर्राष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स बार्यर्स के रूप में हिस्सा लेंगे। वहीं, सेलर्स के रूप में कई प्रमुख लक्जरी और हेरिटेज होटल चेन्स और रिसॉर्ट्स, इंडियन स्टेट टूरिज्म बोर्ड्स, डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कम्पनीज, एडवेंचर एंड वाइल्डलाइफ टूरिज्म ऑपरेटर्स, लक्जरी और एमआईसीई टूर ऑपरेटर्स, हेरिटेज एंड वेलनेस सेंटर्स, ट्रैवल टेक्नोलॉजी कंपनियां अपने विभिन्न प्रकार की सेवाएं और उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे।

उल्लेखनीय है कि जीआईटीबी का आयोजन राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस आयोजन को राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (राटो), इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) और होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (एचआरएआर) जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और क्षेत्रीय एसोसिशंस का सहयोग प्राप्त है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कैंसर से बचाव के लिए व्यापक जन जागरूकता अभियान का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि कैंसर से लड़ने और उस पर विजय प्राप्त करने के लिए मानसिक रूप से मजबूत रहना जरूरी है। उपराष्ट्रपति ने विशेष रूप से युवाओं से नशीले पदार्थों और तंबाकू आदि से दूर रहने की अपील करते हुए कैंसर से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाए जाने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने 'कैंसर सोसाइटी' संस्था द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कैंसर उपचार के अंतर्गत कीमोथेरेपी जैसी कठिन उपचार विधि के स्थान पर नवीनतम चिकित्सा अनुसंधानों में टैबलेट के जरिए उपचार की पहल उत्साहजनक है।

उन्होंने कहा कि शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सबके लिए आवश्यक है। राधाकृष्णन ने कहा कि प्रतिवर्ष कैंसर के रोगी बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत कैंसर के उपचार के लिए कैंसर रोगियों को हर साल पांच लाख तक का नि:शुल्क इलाज मिलता है। इसमें सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी जैसे प्रमुख कैंसर उपचार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत देश भर के सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में ब्रेस्ट, फेफड़े, और मुंह के कैंसर सहित अन्य प्रकारों के इलाज को शामिल किया गया है। गरीब मरीजों के इलाज के लिए एकमुश्त 15 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भी ग्रामीण क्षेत्रों में 75 प्रतिशत राशि का व्यय कैंसर बचाव के लिए किया जा रहा है। लोकभवन के आधिकारिक बयान के अनुसार उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश में कैंसर के जितने मामले सामने आए हैं उनमें 'सर्वाइकल कैंसर' के मरीजों की संख्या दूसरे स्थान पर है। इसके बचाव के लिए टीकाकरण के साथ उपचार के लिए कारगर प्रयासों की पहल केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान कैंसर से लड़कर उससे मुक्त होने वाले राज्यों में अग्रणी है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा की जिस तरह से टीबी मुक्त अभियान चलाकर इस बीमारी से मुक्ति के प्रभावी प्रयास हुए हैं, उसी तरह कैंसर मुक्त राजस्थान अभियान चलाकर प्रभावी प्रयास किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह चिकित्सक नहीं है लेकिन उन्होंने इस बारे में पढ़ा है और लोगों से निरंतर मिलकर यह जाना है कि कोशिका तंत्र में विकार अथवा आनुवांशिकी कारणों से भी कैंसर के मामले सामने आते हैं।

बागड़े ने कहा कि तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट का सेवन करने वालों को कैंसर अधिक होता है, इसलिए इनसे बचना चाहिए। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि कैंसर जागरूकता के लिए प्रभावी प्रयास जरूरी है। उन्होंने राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

पशुओं को बेहतर चिकित्सा सेवाऐं प्रदान करना हमारा लक्ष्य : जोराराम कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्व पशु चिकित्सा दिवस-2026 के अवसर पर स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर में राजुवास (जोबनेर) की ओर से कार्यक्रम हुआ। इसमें पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत भी उपस्थित रहे। कुमावत ने विश्व पशु चिकित्सा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह दिवस पशु चिकित्सकों के योगदान को याद करने का दिन है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य सभी को पशुधन के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं संरक्षण के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने पशु चिकित्सा को सुलभ व बेहतर करने के लिए कई नये पशु चिकित्सालय खोले हैं, क्रमोन्नयन किया है, नि:शुल्क दवाईयों की संख्या बढ़ाई है तथा उनकी उपलब्धता सुनिश्चित की है।

उन्होंने कहा कि पशुपालकों के घर पर ही पशु चिकित्सा उपलब्ध करवाने के लिए मोबाइल वेटनरी वैन, पशुपालकों के लिए गोपालक कार्ड, मंगला पशु बीमा योजना व सेक्स सॉर्टेड सीमन योजनाएं संचालित हैं। पशु टीकाकरण कार्यक्रम भी प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है, जिससे बीमारियों की रोकथाम की जा सके। राजुवास के कुलगुरु प्रो. त्रिभुवन शर्मा ने विश्व पशु चिकित्सा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था व पोषण सुरक्षा में पशुपालन का महत्वपूर्ण योगदान है। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. सुरेश चन्द मीना ने कहा कि पशु चिकित्सक न सिर्फ पशुओं का ईलाज करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण आदि में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. धर्म सिंह मीना ने पशु चिकित्सा के इतिहास व वर्तमान स्थिति के बारे में अपने विचार रखे।

इस अवसर पर दो सेवानिवृत आचार्य प्रो. जी.सी. गहलोत व प्रो. सुनन्दा शर्मा को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया, राजुवास के न्यूज लेटर का विमोचन किया गया। तकनीकी सेमिनार में डॉ. एस.के. झीरवाल ने विश्व पशु चिकित्सा दिवस की इस वर्ष की थीम पशु चिकित्सक- भोजन और स्वास्थ्य के संरक्षक पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में डॉ. मोनिका करनानी, कुलसचिव सावन कुमार चायल, सहायक अधिष्ठाता व छात्र कल्याण डॉ. निर्मल कुमार जेफ भी उपस्थित रहे। स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा नि:शुल्क एन्टी रैबीज टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण तथा पशु बांझपन निवारण शिविर लगाया गया। विद्यार्थियों की पोस्टर प्रतियोगिता व ऑनलाईन क्विज भी आयोजित की गई।

सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को मानें लाइब्रेरी, हर दिन कुछ नया सीखे युवा पीढ़ी : सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज में एक बावड़ी की तरह कार्य करते हैं, जो समय आने पर अपने अनुभव से किसी भी समस्या का सही समाधान बता सकते हैं। इसी कड़ी में सेवानिवृत्त न्यायाधीश लोक अदालत में मध्यस्थता के जरिए सकारात्मक बदलाव लाने में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक न्यायाधीश हमेशा न्यायाधीश होता है और सेवानिवृत्त न्यायाधीश एक लाइब्रेरी की तरह है, जिससे आज की युवा पीढ़ी को हर दिन कुछ न कुछ नया सीखना चाहिए।

जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 'द बैंच बियोन्ड रिटायरमेंट: वैकल्पिक विवाद समाधान के संवर्धन और आम जनता में कानून के प्रति जागरूकता में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भूमिका' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा कोर्ट में वाद से पहले लोक अदालत का रुख करने की अपील की प्रशंसा करते हुए कहा कि मध्यस्थता किसी भी विवाद का त्वरित समाधान दिला सकती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि समाज न्यायाधीशों द्वारा कहे गए शब्दों का अनुसरण करता है और इसी से सकारात्मक परिवर्तन आता है। देश के इतिहास में सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों द्वारा ऐसे अनेक ऐतिहासिक फैसले दिए गए हैं, जिन्होंने करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है। उन्होंने आमजन से कोर्ट में वाद से पहले एक बार मध्यस्थता केंद्र या लोक अदालत जाने की अपील की। साथ ही, युवाओं से आह्वान किया कि अनुभवी लोगों से प्राप्त अनुभव को समाज एवं राष्ट्र हित में उपयोग करें। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ होने के साथ ही कानून और संविधान की रक्षक है, जो हर नागरिक को समान अधिकार देती है। चाहे मौलिक अधिकारों की रक्षा हो, पर्यावरण का संरक्षण हो, महिलाओं के अधिकार हो या भ्रष्टाचार पर प्रहार, न्यायपालिका हमेशा आगे रही है। न्यायाधीश केवल मुकदमे ही नहीं सुनते हैं बल्कि हर उस व्यक्ति की उम्मीद होते हैं, जिसे न्याय की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि अनुभवी न्यायाधीशों की भूमिका आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उनका अनुभव, विद्वता और न्याय-दृष्टि देश की अमूल्य धरोहर है। जिनसे विधिक जागरूकता बढ़ाने और वैकल्पिक विवाद समाधान से मुकदमों का बोझ कम करने में सहायता मिलती है। मध्यस्थता, सुलह, लोक अदालत और बातचीत से विवादों को न सिर्फ कम समय में सुलझाया जा सकता है बल्कि अदालतों पर काम का बोझ भी कम किया जा सकता है। जब विवाद प्रेम से सुलझते हैं तो मुकदमेबाजी की प्रवृत्ति कम होती है और सामाजिक समरसता बढ़ती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के हर व्यक्ति को त्वरित और पारदर्शी तरीके से न्याय मिले, यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है। इसके लिए क्रांतिकारी परिवर्तन करते हुए डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नेंस के माध्यम से न्याय प्रणाली को तेज, पारदर्शी एवं अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

शिक्षा में नैतिकता, मानवीय मूल्यों और संस्कारों का समावेश आवश्यक : दिलावर

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को चूरू जिले के तारानगर उपखंड मुख्यालय पर विद्यालय का लोकार्पण किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा में नैतिकता, मानवीय मूल्य और संस्कार का समावेश आवश्यक है। हम सभी मानवीय मूल्यों को आत्मसात करें और देश को सर्वोच्च शिखर पर लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भामाशाहों ने शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए सराहनीय कार्य किया है। बालिका शिक्षा को समर्पित यह विद्यालय बेटियों का आत्मविश्वास सुदृढ़ करेगा और बेटियां पूरे विश्व में हमारा गौरव बढ़ाएंगी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी बन रहा है। सरकारी विद्यालयों की तस्वीर बदल रही है। आज विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो रही है व शिक्षण स्तर को निरंतर सुधार किया जा रहा है। विद्यार्थियों में नैतिक व मानव मूल्यों के विकास के लिए शिक्षकों को आधुनिकतम तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया है और नया शिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

बोर्ड परीक्षा परिणाम में सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने टॉप किया है। शिक्षा अधिकारियों को माह में कम से कम 4 दिन गांवों में रात्रि विश्राम के निर्देश दिए गए हैं ताकि ग्रामीण स्तर पर शिक्षा क्षेत्र को लेकर फीडबैक लिया जा सके।

टाटा मोटर्स के जाने के 18 साल बाद भी बदहाल जमीन व राजनीतिक विरासत के बीच फंसा है सिंगूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगूर (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक रूप से सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक सिंगूर में लोग जमीन खोदकर जंग लगी लोहे की छड़ें कबाड़ के रूप में बेचने के लिए ढूंढ रहे हैं, जो टाटा मोटर्स की परित्यक्त नैनो फैक्टरी के अवशेष हैं । टाटा मोटर्स ने 2008 में लगातार विरोध प्रदर्शनों के बीच यहां छोटी कारों का कारखाना स्थापित करने की योजना छोड़ दी थी। इस घटना से राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया था, जिससे वाम मोर्चा सत्ता से बेदखल हो गया और ममता बनर्जी सत्ता में आईं।

अठारह साल बीत जाने के बाद भी, टाटा मोटर्स का वह फैसला आज भी सिंगूर को परेशान करता है, क्योंकि यह इलाका दो तरह की बर्बादी के बीच फंसा हुआ है एक ऐसी कृषि भूमि जो अब पहले जैसा उत्पादन नहीं देती और एक ऐसी फैक्टरी, जो कभी बन ही नहीं पाई। 'मास्टरमोशाय' के नाम से मशहूर तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक रवींद्र भट्टाचार्य (93) ने कहा, ''न तो कृषि का विकास हुआ, न ही उद्योग का।'' भट्टाचार्य सिंगूर आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। वर्ष 2006 में, तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार ने टाटा मोटर्स की छोटी कार परियोजना के लिए यहां लगभग 1,000 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया। ममता बनर्जी ने इस दावे के आधार पर जनांदोलन खड़ा किया कि उपजाऊ बहु-फसली भूमि अनिच्छुक किसानों से छीनी जा रही है। इसके बाद जो हुआ, उसने बंगाल की राजनीति को पूरी तरह से बदल दिया। जब रतन टाटा ने अक्टूबर 2008 में घोषणा की कि नैनो परियोजना को गुजरात के साणंद में स्थानांतरित किया जाएगा, तो यह केवल एक कारखाने की विदाई नहीं थी, बल्कि यह वाममोर्चा के 34 वर्षों के शासन के अंत की शुरुआत थी। सिंगूर और नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण विरोधी तीव्र आंदोलनों के सफल नेतृत्व के दम पर, 2011 के विस चुनाव जीतने के बाद ममता ने राज्य की सत्ता के केंद्र 'रायटर्स बिल्डिंग' में प्रवेश किया, लेकिन स्वयं सिंगूर में, वह जीत अब धीरे-धीरे पछतावे में बदल गई है।

बंगाल चुनाव से हर भारतीय का हित जुड़ा है क्योंकि घुसपैठिए अन्य राज्यों में भी फैल रहे : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हर भारतीय का हित जुड़ा हुआ है क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठिए न केवल राज्य में जनसांख्यिकीय परिवर्तन ला रहे हैं बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी फैल रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी असम की 126 सीट में से 100 से अधिक सीट जीतेगी और पश्चिम बंगाल में पहले चरण के चुनाव में जिन 152 सीट पर मतदान हुआ है, उनमें से 110 सीट जीतेगी। उन्होंने कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''पश्चिम बंगाल में भाजपा का 200 से अधिक सीट जीतना आश्चर्यजनक नहीं होगा। पहले चरण में लगभग 93% मतदान से पता चलता है कि अब भय का माहौल नहीं है, जिसने पहले लोगों को भाजपा का खुलकर समर्थन करने से रोका था।'' शर्मा ने कहा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं है, बल्कि यह पूरे देश, विशेष रूप से इसके पूर्वी और उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए सभ्यतागत महत्व का एक मुकाबला है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस द्वारा भाजपा नेताओं को बाहरी करार दिए जाने संबंधी बयान का जवाब देते हुए कहा, ''इस चुनाव में हर भारतीय का हित जुड़ा है। घुसपैठ का असर सिर्फ पश्चिम बंगाल और असम तक सीमित नहीं है। यह झारखंड, बिहार और अन्य राज्यों में भी फैल रहा है।'' शर्मा ने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा को सत्ता में नहीं लाया गया तो राज्य में अनियंत्रित घुसपैठ के कारण ''बांग्लादेश का विस्तार'' होने का खतरा है। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल के चुनाव को असम, त्रिपुरा, मेघालय और मिजोरम से अलग करके नहीं देखा जा सकता। अगर एक भी सीमा खुली रहती है तो उसका असर सभी राज्यों पर पड़ेगा।'' मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों से घुसपैठ करने वाले लोग सिर्फ पश्चिम बंगाल तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे इस राज्य को असम और भारत के अन्य हिस्सों तक पहुंचने के लिए एक गलियारे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

भाजपा में शामिल हुए आप के सात सांसद, सोशल मीडिया पर आई मीम की बाढ़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने तरह-तरह के हास्यपूर्ण, व्यंग्यात्मक और फिल्मी संवाद से जुड़े 'मीम' साझा करके प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं।

ऐसे ही एक 'मीम' में कक्षा का दृश्य दिखाया गया है, जिसमें एक छात्र गर्व से कहता है कि उसकी नौकरी लग गई है। इसके अलावा कई लोगों ने कहा कि सांसदों को आखिरकार राजनीति में उनका ड्रीम पैकेज मिल गया।

कई लोगों ने वॉशिंग मशीन वाला लोकप्रिय मीम भी शेयर किया, जिसमें नेताओं को एक तरफ से भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ वाशिंग मशीन के अंदर जाते हुए और दूसरी तरफ से पूरी तरह साफ होकर बाहर निकलते हुए दिखाया गया। एक मीम में मजाकिया अंदाज में लिखा था, डिटर्जेंट भी स्ट्रॉन्ग है और जॉइनिंग बोनस भी।

कुछ लोगों ने सांसदों की तुलना ऐसे कर्मचारियों से की, जो सालों तक पदोन्नति का इंतजार करने के बाद किसी प्रतिद्वंद्वी कंपनी से बेहतर ऑफर मिलने पर आखिरकार इस्तीफा दे देता है। एक पोस्ट में लिखा था, नोटिस पीरियड पूरा, लैपटॉप जमा, नया आईडी कार्ड जारी। कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने नेताओं के पुराने भाषण भी साझा किए, जिनमें वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते नजर आए।

कुछ लोगों ने मजाक में कहा कि नेताओं ने पार्टी नहीं बदली, बल्कि करियर में तरक्की के लिए बस अपनी पॉलिटिकल लिंक्डइन प्रोफाइल अपडेट की है।

शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़ने वाले सात सांसदों में राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजेंद्र गुप्ता और विक्रम साहनी शामिल हैं।

पूरा केंद्रीय मंत्रिमंडल और 19 मुख्यमंत्री भी भाजपा को बंगाल चुनाव नहीं जिता पाएंगे : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय पार्टी को हराने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है, क्योंकि लगभग पूरा केंद्रीय मंत्रिमंडल और राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री बंगाल में डेरा डाले हुए हैं।

हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने भाजपा पर राज्य के बाहर कार्यरत पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिकों से झूठे वादे करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, ''भाजपा हताश है, पश्चिम बंगाल में 50 हेलीकॉप्टर भेजे गए हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री से लेकर गृह मंत्री, रेल मंत्री और रक्षा मंत्री तक लगभग पूरा केंद्रीय मंत्रिमंडल, साथ ही राजग शासित 19 राज्यों के मुख्यमंत्री, एक ही राज्य - पश्चिम बंगाल में डेरा डाले हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि इसकी तुलना तृणमूल द्वारा राज्य भर में चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल किए जा रहे केवल तीन हेलीकॉप्टरों से करें, लेकिन यह सारा शोर-शराबा और हंगामा चार मई को फीका पड़ जाएगा।

बनर्जी ने कहा, ''इसके अलावा, हम जहां भी जा रहे हैं, हमें केंद्रीय बलों की मौजूदगी दिखाई दे रही है। वे बख्तरबंद वाहन ला रहे हैं, जिनका उपयोग उन जगहों पर नहीं किया जा रहा है ,जहां उनकी आवश्यकता है।''

अरुणाचल से 2030 तक मलेरिया को खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयास करें : पेमा खांडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को राज्य के 19 जिलों के मलेरिया मुक्त होने की जानकारी देते हुए लोगों से साल 2030 तक इस बीमारी को पूरी तरह खत्म करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने 'विश्व मलेरिया दिवस' के अवसर पर कहा कि इस बीमारी का उन्मूलन एक जन आंदोलन बनना चाहिए। उन्होंने सभी लोगों से मच्छरों से बचाव के लिए सरल उपाय अपनाने की अपील की और कहा कि यह इससे निर्णायक बदलाव आ सकता है।

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''यह दिन हमें मलेरिया को खत्म करने और सभी के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता की याद दिलाता है।''

मुख्यमंत्री ने राज्य की प्रगति साझा करते हुए कहा, ''मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि अरुणाचल प्रदेश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। हम 2022 में उच्च रोग-भार वाले राज्य से श्रेणी-1 (कम भार) में आ गए हैं। आज 19 जिले मलेरिया मुक्त हो चुके हैं, जो हमारे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और समुदायों के समर्पण को दर्शाता है।''

मोदी सरकार ने मेरे खिलाफ कई मामले दर्ज किए, लेकिन ममता बनर्जी के खिलाफ नहीं : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुगली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी नीत सरकार ने उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ कोई मामला नहीं है। उन्होंने दावा किया कि ऐसा इसलिए है, क्योंकि वह भाजपा से सीधे मुकाबला नहीं करती हैं। यह बताते हुए कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनसे लगातार पांच दिनों तक 55 घंटे पूछताछ की, कांग्रेस नेता ने पूछा, ममता बनर्जी से कितने घंटे पूछताछ की गई?

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के खिलाफ ईडी या सीबीआई द्वारा कोई जांच नहीं की जा रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए हुगली जिले के सेरामपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा, ऐसा इसलिए है, क्योंकि वह भाजपा से सीधे तौर पर मुकाबला नहीं करती हैं। इस संबंध में टीएमसी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह बताते हुए कि वह फिलहाल जमानत पर बाहर हैं, गांधी ने कहा, मेरा घर छीन लिया गया, मेरी लोकसभा सदस्यता छीन ली गई; मेरे खिलाफ 36 मामले दर्ज हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उनके खिलाफ दर्ज मामलों से लड़ने के लिए उन्हें हर 10-15 दिनों में झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात और बिहार जैसे विभिन्न राज्यों की यात्रा करनी पड़ती है।

जब मानवता सर्वोपरि हो, तभी समाज में आता है वास्तविक परिवर्तन : निरंकारी माता सुदीक्षा

नई दिल्ली। बाबा गुरबचन सिंह जी की दिव्य स्मृति में सतगुरु माता सुदीक्षाजी एवं निरंकारी राजपिता जी के सान्निध्य में संत निरंकारी मण्डल के तत्वावधान में दिल्ली के निरंकारी सरोवर के सामने ग्राउंड पर 'मानव एकता दिवस' का आयोजन किया जिस मौके पर रक्तदान शिविर हुआ।

मानव एकता दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविरों में एकत्र हुआ 40 हजार यूनिट रक्त

सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में निरंकारी श्रद्धालुओं ने प्रेम, विनम्रता और समर्पण भाव से लगभग 850 यूनिट रक्तदान किया। इसके अतिरिक्त समूचे भारतवर्ष के लगभग 212 स्थानों पर आयोजित रक्तदान शिविरों में लगभग 40 हजार यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। मानवता की सेवा के इस अवसर पर निरंकारी राजपिता जी ने रक्तदान कर युवाओं के लिए प्रेरणादायक मिसाल पेश की। रक्तदान की यह परंपरा पिछले चार दशकों से निरंतर जारी है। अब तक 9,174 रक्तदान शिविरों के माध्यम से लगभग 15,00,230 यूनिट रक्त संकलित किया जा चुका है, जो मानव सेवा के प्रति निरंकारी मिशन की अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। सतगुरु माता सुदीक्षाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि बाबा हरदेव सिंहजी ने बाबा गुरबचन सिंह जी के जीवन को अपनी प्रेरणा का आधार बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य मानवता की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि भक्तों के जीवन से हमें यह अमूल्य प्रेरणा मिलती है कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में मानवता को सर्वोपरि स्थान दे, तो समाज का कल्याण स्वतः संभव है। जब हम एक-दूसरे के लिए उपयोगी बनने का भाव अपनाते हैं, तभी सच्ची सेवा का अर्थ समझ में आता है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे भीतर प्रेम, करुणा और सेवा का भाव निरंतर जीवित रहे। यह केवल आंकड़ों या शब्दों तक सीमित नहीं अपितु मानवता के प्रति सच्चा समर्पण है। इन शिविरों में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी तथा राजधानी दिल्ली के लगभग सभी प्रसिद्ध अस्पताल जिनमें एम्स एवं एम्स (सीएनसी), राम मनोहर लोहिया अस्पताल, गुरु तेग बहादुर अस्पातल, लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल, हिन्दुराव अस्पताल, जीपी पंत अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, डॉक्टर हेडग्रावर अस्पताल एवं आईआरसीएस इत्यादि प्रमुख अस्पतालों के अनुभवी चिकित्सक एवं उनकी टीम ने स्वास्थ्य जाँच के उपरांत सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से रक्तदान सम्पन्न कराया।

असम: मिनी बस और ट्रक की भिड़ंत में लोकप्रिय बिहू नृत्यांगना की मौत, 11 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के तामुलपुर जिले में एक मिनी बस और एक ट्रक की भिड़त में एक लोकप्रिय बिहू नृत्यांगना की मौत हो गई और उनके दल के 11 सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

निशामोनी हलोई शुक्रवार रात को नोआखाटा इलाके में हुए पास के ही एक इलाके में बिहू प्रदर्शन के लिए मंडली के साथ यात्रा कर रही थीं तभी यह हादसा हुआ।

पुलिस ने बताया कि निशामोनी (25) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि समूह के 11 अन्य सदस्य घायल हो गए।

वाहन में महिला नृत्यांगनाओं, पुरुष ढोल वादकों और अन्य कलाकारों सहित लगभग 30 लोग सवार थे। मंडली में राज्य के विभिन्न हिस्सों के सदस्य शामिल थे।

पुलिस ने बताया, गंभीर रूप से घायल लोगों को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेजा गया है, जबकि बाकी लोगों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

निशामोनी एक लोकप्रिय बिहू नर्तकी होने के साथ-साथ एक पारंपरिक 'नागरा नाम' कलाकार भी थीं।

पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, हम दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सुबह यह दुखद खबर पाकर मैं दुखी हूं। नलबाड़ी जिले के हरिभंगा की भास्करज्योति बिहू हुसोरी दल तामुलपुर के नोआखाटा में घातक दुर्घटना का शिकार हो गया। दल की मुख्य नृत्यांगना और लोकप्रिय 'नागरा नाम' 'पथिका' (गायिका) निशामोनी हलोई की दुर्घटना में मौत हो गई।

शर्मा ने कहा कि निशामोनी की मृत्यु से एक उभरती कलाकार का करियर समय से पहले ही खत्म हो गया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और मंडली के घायल सदस्यों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा, पीड़ितों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

राज्य भर में रोंगाली बिहू समारोहों का आयोजन किया जा रहा है, जो अप्रैल के मध्य से शुरू होने वाले असमिया नव वर्ष समारोहों का प्रतीक है।

भारत की खेल महत्वाकांक्षाएं कागज पर नहीं, बल्कि जमीन पर काम करके पूरी होनी चाहिए : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि देश को एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने का 10 साल का रोडमैप उसे जमीन पर काम करके ही पूरा किया जाना चाहिए। मांडविया ने देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवा मामले और खेल मंत्रियों के 'चिंतन शिविर' की अध्यक्षता की।

पंद्रह से ज्यादा राज्यों के खेल मंत्रियों के साथ-साथ आदिल सुमारिवाला, अभिनव बिंद्रा, पुलेला गोपीचंद और गगन नारंग जैसी जानी-मानी खेल हस्तियों ने भी इस चिंतन शिविर में हिस्सा लिया और संबंधित पक्षों के साथ अपने विचार साझा किए। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा, ''एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने का हमारा 10 साल का रोडमैप सिर्फ कागजों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे हर खेल के मैदान, हर जिले और हर युवा के सपने में साकार होना चाहिए। ''

मांडविया ने राज्यों से नीतियों को अपनाने से आगे बढ़कर उन्हें सक्रिय रूप से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर दिया कि असली प्रगति जिलों, ट्रेनिंग प्रणालियों और जमीनी स्तर के खेल तंत्र में दिखने वाले परिणामों के आधार पर की जाएगी। उन्होंने कहा, ''खेलो भारत मिशन महज एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह हमारे युवाओं की ऊर्जा और राष्ट्र की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ''

राहुल का शतक बेकार : पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा कर दिल्ली कैपिटल्स को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकेश राहुल की नाबाद 152 रन की पारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बड़े स्कोर वाले टी20 मैच में शनिवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ सात गेंद शेष रहते छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

कैपिटल्स ने दो विकेट पर 264 रन बनाए, लेकिन टीम के लचर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए पंजाब किंग्स ने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की 26 गेंदों में 76 और कप्तान श्रेयस अय्यर की 36 गेंदों में नाबाद 71 रन की पारी से 18.5 ओवर में चार विकेट पर 265 रन बनाकर आईपीएल में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का नया रिकॉर्ड कायम कर अपना अजेय अभियान जारी रखा। । मौजूदा सत्र में यह टीम की सात मैचों में छठी जीत है। कैपिटल्स की सात मैचों में यह चौथी हार है। प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए प्रियांश आर्य के साथ 42 गेंदों में 128 रन की साझेदारी कर पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई। तीन गेंदों के अंदर करुण नायर से मिले दो आसान जीवनदान का फायदा उठाते हुए अय्यर ने चौथे विकेट के लिए नेहाल वढेरा (25) के साथ 31 गेंदों में 51 और पांचवें विकेट के लिए शशांक सिंह (नाबाद 19) के साथ 26 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रभसिमरन ने 26 गेंदों की पारी में नौ चौके और पांच छक्के लगाए, जबकि अय्यर ने 36 गेंदों की पारी में तीन चौके और सात छक्के जड़े।

राहुल ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 गेंदों में 220 रन की साझेदारी कर जिससे कैपिटल्स ने आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। आईपीएल में अपने छठे शतक के दौरान राहुल ने 67 गेंदों की पारी में 16 चौके और नौ छक्के लगाए, जबकि राणा ने 44 गेंदों की पारी में 11 चौके और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाए। दोनों की 220 रन की साझेदारी आईपीएल की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड विराट कोहली और एबी डिविलियर्स के नाम है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की इस जोड़ी ने गुजरात लायंस के खिलाफ 2016 में दूसरे विकेट के लिए 229 रन की साझेदारी की थी। राहुल का यह स्कोर किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा आईपीएल में सबसे बड़ा, जबकि ओवरऑल तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने 226 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। राहुल को 12 रन के स्कोर पर अर्शदीप की गेंद पर शशांक सिंह ने कैच छोड़कर जीवनदान दिया और इस बल्लेबाज ने उसका पूरा फायदा उठाते हुए मैदान के हर कोने में बाउंड्री लगाई। पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक विकेट लिए, लेकिन टीम के सभी गेंदबाजों ने रन लुटाए। बार्टलेट ने चार ओवर में 69 रन दिए, जबकि विजयकुमार वैशाख ने तीन ओवर में 48 रन दिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांश आर्य ने पहले ही ओवर में अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर छक्का जड़कर तेवर दिखाए, वहीं प्रभसिमरन ने ओवर का अंत छक्के से किया।

एनगिडी को गंभीर चोट लगने के बाद एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच शनिवार को यहां आईपीएल मैच के दौरान गंभीर चोट लगने के बाद एंबुलेंस की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया। जीत के लिए 265 रन का पीछा कर रही पंजाब किंग्स की पारी के तीसरे ओवर में कप्तान अक्षर पटेल की गेंद पर प्रियांश आर्या के शॉट पर मिड-ऑफ पर खड़े एनगिडी कैच लेने के लिए पीछे की ओर भागे, लेकिन गेंद का सही अनुमान नहीं लगा सके और संतुलन बिगड़ने के कारण गिर पड़े। इस दौरान उनका कंधा और सिर जोर से जमीन से टकराया। मैदान पर गिरते ही एनगिडी ने तुरंत अपना सिर पकड़ लिया और कुछ समय तक जमीन पर ही स्थिर रहे।

सुविचार

जीत की खातिर बस जुनून चाहिए, जिसमें उबाल हो ऐसा खून चाहिए, यह आसमान भी आएगा ज़मीन पर, बस इरादों में जीत की गूँज चाहिए।

ट्वीट

रिटायरमेंट के बाद बेंच: आम लोगों के लिए एडीआर और कानूनों की जागरूकता को आगे बढ़ाने में रिटायर्ड जजों की भूमिका विषय पर एक दिन की कॉन्फ्रेंस में शामिल होकर बहुत खुशी हुई।

-दिया कुमारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, न सिर्फ़ मैं बल्कि देश की हर महिला फ़ैसले लेने की प्रक्रिया में महिलाओं को बराबर की भागीदारी देने की कोशिशों का स्वागत कर रही है।

-वसुंधरा राजे

कहानी

मिथिलेश्वर

बारिश की रात

इसे दुर्योग कहें या विडंबना कि जिस बात को लेकर आदमी आशंकित बना रहता है, कभी-कभी वह बात घट भी जाती है। इस अंधेरी, तूफ़ानी, बरसाती रात में जिस बात को लेकर डर रहे थे सचदेव बाबू उसका आभास भी अब उन्हें होने लगा था। उन्हें लगा था कि गेट फाँदकर उनके दरवाज़े पर कोई चढ़ आया है। बस, उनके कान खड़े हो गए। वे उस आगंतुक की आहट लेने लगे। उनकी शंका सही थी। अब दरवाज़े पर थपथपाहट की आवाज़ भी आने लगी थी। सचमुच कोई आ धमका था। सचदेव बाबू की पत्नी ने दबी आवाज़ में उनसे पूछा, कौन है यह यदु मिस्त्री? उन्होंने भी दबी आवाज़ में ही जवाब दिया, राज मिस्त्री है। इस मकान में काम कर चुका है। ठेकेदार के साथ आनेवाले मिस्त्रियों में एक यह भी था।

आरा शहर। भादों का महीना। कृष्ण पक्ष की अँधेरी रात। ज़ोरों की बारिश। हमेशा की भाँति बिजली का गुल हो जाना। रात के गहराने और सूनेपन को और सघन भयावह बनाती बारिश की तेज़ आवाज़! अंधकार में डूबा शहर तथा अपने घर में सोये-दुबके लोग! लेकिन सचदेव बाबू की आँखों में नींद नहीं। अपने आलीशान भवन के भीतर अपने शयन-कक्ष में बेहद आरामदायक बिस्तरे पर अपनी पत्नी के साथ लेटे थे वे। पर लेटनेभर से ही तो नींद नहीं आती। नींद के लिए - जैसी निश्चिंतता और बेफ़िक्री की ज़रूरत होती है, वह तो उनसे कोसों दूर थी।

हालाँकि यह स्थिति सिर्फ़ सचदेव बाबू की ही नहीं थी। पूरे शहर पर खौफ़ का यह कहर था। आए दिन चोरी, लूट, हत्या, बलात्कार, राहजनी और अपहरण की घटनाओं ने लोगों को बेतरह भयभीत और असुरक्षित बना दिया था। कभी रातों में गुलज़ार रहनेवाला उनका यह शहर अब शाम गहराते ही शमशानी सन्नाटे में तब्दील होने लगा था। अब रातों में सड़कों और गलियों में नज़र आनेवाले लोग शहर के सामान्य और संभ्रांत नागरिक नहीं, संदिग्ध लोग होते थे। कब किसके यहाँ क्या हो जाए, सब आतंकित थे।

जब इस शहर में अपना यह घर बनवा रहे थे सचदेव बाबू तो बहुत प्रसन्न थे कि महानगरों में दमघोंटू, विषाक्त, अजनबीयत और छल-छद्मी वातावरण से अलग इस शांत-सहज और निश्छल-निर्दोष गँवई शहर में बस रहे हैं। लेकिन अब तो महानगर की अजनबीयत की अपेक्षा यहाँ की भयावहता ने बुरी तरह से त्रस्त और परेशान कर दिया था उन्हें। ये बरसाती रातें तो उन्हें बरबादी और तबाही का साक्षात संकेत जान पड़ती थीं।

इसे दुर्योग कहें या विडंबना कि जिस बात को लेकर आदमी आशंकित बना रहता है, कभी-कभी वह बात घट भी जाती है। इस अंधेरी, तूफ़ानी, बरसाती रात में जिस बात को लेकर डर रहे थे सचदेव बाबू उसका आभास भी अब उन्हें होने लगा था। उन्हें लगा था कि गेट फाँदकर उनके दरवाज़े पर कोई चढ़ आया है। बस, उनके कान खड़े हो गए। वे उस आगंतुक की आहट लेने लगे। उनकी शंका सही थी। अब दरवाज़े पर थपथपाहट की आवाज़ भी आने लगी थी। सचमुच कोई आ धमका था।

सचदेव बाबू की पत्नी ने दबी आवाज़ में उनसे पूछा, कौन है यह यदु मिस्त्री? उन्होंने भी दबी आवाज़ में ही जवाब दिया, राज मिस्त्री है। इस मकान में काम कर चुका है। ठेकेदार के साथ आनेवाले मिस्त्रियों में एक यह भी था।

तो इस समय क्यों आया है। यह सब राज मिस्त्री और मजदूर अच्छे नहीं होते, घर का भेदिया होते हैं। घर के अंदर-बाहर सब कुछ इनका देखा-जाना होता है। अपनी शंका व्यक्त की उन्होंने।

जवाब में सचदेव बाबू ने भी उनकी शंका को अपनी सहमति प्रदान की, पिछली चोरी में इस घर के मजदूर-मिस्त्रियों का ही हाथ था। छत से बिना सीढ़ी के आँगन के रास्ते उतरने का तरीका उनके सिवा किसी को ज्ञात नहीं था।

यदु मिस्त्री की पुकार और थपथपाहट की आवाज़ जारी थी, सो गए हैं क्या साहब? हाकिम! इंजीनियर साहब! मैं यदु मिस्त्री हूँ, यदु!

लेकिन सचदेव बाबू व उनकी पत्नी ने पहले ही से तय कर रखा था कि चाहे जो हो, रात में दरवाज़ा नहीं खोलना। वे जानते थे, परिचित आवाज़ में कोई एक दरवाज़ा खुलवाता है और दरवाज़ा खुलने पर उसके साथ छिपकर आए दस लुटेरे भरभराकर अंदर घुस आते हैं।

अब किसी पर विश्वास करने का समय नहीं रहा। मुसीबत और परिचय के नाम पर ही तो सब कुछ होता रहा है। उन्हें यदु की बातों में हरगिज़ नहीं आना है। ठीक इसी समय उनकी पत्नी ने भी कहा, अपने मित्रों, रिश्तेदारों और पुलिस को फ़ोन क्यों नहीं करते हो? शायद कोई रास्ता निकल आए?

उन्हें लगा, पत्नी भी उनकी तरह ही सोच रही है। अब वे सक्रिय हो गए। फ़ोन रखने का वास्तविक उपयोग तो ऐसे अवसरों पर ही होता है। लेकिन ये लुटेरे भी कम चतुर नहीं होते। लूट के लिए आने से पूर्व फ़ोन आदि के कनेक्शन काट चुके होते हैं। पर सचदेव बाबू को डूबते को तिनके के सहारे के भाँति फ़ोन का कनेक्शन ठीक मिला। बस, वे डायल घुमा, सजग-सतर्क हो, अपनी इच्छित जगहों पर, तत्क्षण बोल उठे धीमी आवाज़ में, ताकि बाहर यदु को उनकी आवाज़ सुनायी न पड़े। वैसे भी उनके शयन-कक्ष और कमरों की बनावट ऐसी थी कि बंद दरवाज़ों और खिड़कियों के भीतर की आवाज़ बाहर नहीं पहुँच पाती थी।

इधर बाहर दरवाज़ा थपथपा रहा और आवाज़ लगा रहा यदु मिस्त्री बारिश में पूरी तरह भीगा हुआ था। उसके कपड़े बदन से चिपक गये थे और माथे के बेतरतीब बालों से पानी की बूँदें टप-टप चू रहीं थीं। वह कुछ हाँफ भी रहा था। बारिश में भीगते और दौड़ते हुए ही वह यहाँ आया था। अपनी घरवाली को आज ही दोपहर अपने गाँव से यहाँ शहर के अस्पताल में लाया था। उसके पेट के दर्द का एकमात्र इलाज डॉक्टर ने ऑपरेशन बताया था। गाँव से जो पैसे लेकर वह चला था, वह तो चिकित्सक की मोटी फीस और महंगी सुइयों-दवाइयों में तत्क्षण समाप्त हो गए थे। फिलहाल कुछ रुपयों की उसे सख्त आवश्यकता थी। गाँव जाकर रुपये लाने का समय भी तो उसके पास नहीं। इस स्थिति में सहसा उसका ध्यान सचदेव बाबू की ओर चला आया था।

सचदेव बाबू के मकान में लंबे समय तक काम कर चुका था वह। उनके मकान निर्माण के लिए ही उसे गाँव से बुलवाया था ठेकेदार ने। शहर के मिस्त्रियों से ज्यादा काम करता था वह। नींव से लेकर छत ढलाई और प्लास्टर-फिनिशिंग तक इस मकान में कर चुका था। इस घर की एक-एक ईंट से वह परिचित था। कई जगह सचदेव बाबू जैसा चाहते थे, उनकी बात ठेकेदार नहीं समझ पाता था। लेकिन मिस्त्री होने के चलते वह जल्द ही समझ जाता था। यह देख सचदेव बाबू उस पर खुश हो उठते थे और ठेकेदार से कहते थे, इस मिस्त्री को यहाँ से मत हटाना। इसे काम की अच्छी जानकारी है। और यह परिश्रमी भी है।

त्योहारों पर तो वे अपनी ओर से उसे अक्सर बख़्शीश भी दिया करते थे और लंच के लिए अपने खाने में से सब्ज़ी और अचार आदि उसे भी प्रदान करते रहते थे। ठेकेदार का काम समाप्त होने पर भी बचे हुए शेष कार्य के लिए उन्होंने उसे अपने यहाँ कायम रखा था। अपने प्रति उनके इस आकर्षण ने ही इस तूफ़ानी रात में उसे यहाँ तक पहुँचा दिया था। उनसे प्रार्थना कर कुछ रुपये माँग लेगा वह। वे ना नहीं करेंगे। फिर गाँव लौटते ही उनके रुपये ला चुकाएगा।

यदु जानता था कि बाहर के गेट से आवाज़ अंदर नहीं पहुँचती, इसीलिए गेट फाँदकर बालकनी में मुख्य दरवाज़े के पास वह आ गया था। चूँकि सचदेव बाबू मिस्त्री-मज़दूरों के बीच बड़े साहब, हाकिम और इंजीनियर साहब के नाम से ही विख्यात थे, इसीलिए उसी नाम से वह आवाज़ भी लगाता जा रहा था। उसकी आवाज़ पहचानने के बाद सचदेव बाबू चुप नहीं रहेंगे ! लेकिन कुछ देर तक जब उनके यहाँ से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ तो यदु को लगा कि डर गए हैं सचदेव बाबू। यह बात वह जानता था कि परिचित आवाज़ में लूटपाट की घटनाओं से अब किसी को किसी पर भरोसा नहीं रहा। सचदेव बाबू के यहाँ आ रहा था वह तब भी यह शंका उसके मन में थी।

लेकिन अपने प्रति उनके आत्मीय एवं स्नेहपूर्ण व्यवहार को याद कर अपने मन की इस शंका को झटक दिया था उसने, सचदेव बाबू ऐसे नहीं हो सकते। अभी भी उसे इस बात का पूरा विश्वास था कि अगर उसकी आवाज़ पहचान लेंगे सचदेव बाबू तो अवश्य दरवाज़ा खोलकर सामने आ जाएँगे और उसकी मदद करेंगे, इसीलिए दरवाज़ा थपथपाते और आवाज़ लगाते हुए वह डटा हुआ था।

बीतते समय के दौरान अचानक तेज रोशनी बिखेरती हुई एक जीप सचदेव बाबू के दरवाज़े आ लगी। यदु को लगा कि या तो सचदेव बाबू के बेटा-पतोह या लड़की-दामाद या कोई अन्य रिश्तेदार आ गए। अच्छा हुआ। अब सचदेव बाबू का दरवाजा खुलेगा और उसका काम भी हो जाएगा। लेकिन यह देखकर आश्चर्य से उसकी आँखें खुली की खुली रह गईं कि जीप से पुलिस के जवान तेज़ी से उतरे और उसकी तरह ही गेट फांदकर उसकी ओर बढ़ चले। एक क्षण के लिए तो वह भयभीत हो गया। काटो तो उसकी देह में खून नहीं। लेकिन जल्द ही अपने को संयत कर लिया उसने। वह कोई चोर-उचक्का नहीं कि पुलिस को देखकर घबराए या भागे? पुलिस किसी और की खोज में आई होगी या उसे काई सुराग मिला होगा?

ठीक इसी समय सचदेव बाबू दरवाज़ा खोलकर सामने आ गए। अपने गेट के पास आती हुई पुलिस की जीप उन्होंने खिड़की से ही देख ली थी। पुलिस इंस्पेक्टर ने उन्हें देखते ही कहा, हमने इसे ऐन मौके पर पकड़ लिया इंजीनियर साहब! लेकिन यह कह रहा है कि मैं राज मिस्त्री हूँ। साहब का घर मैंने बनाया है।''

मैं किसी मिस्त्री-विस्त्री को नहीं जानता!'' - बेतकल्लुफ़ी से कह उठे सचदेव बाबू। यह सुन उनकी ओर मुखातिब होते हुए जोर देकर बोल उठा यदु, मैं यदु मिस्त्री हूँ बड़े साहब! यदु मिस्त्री! मुसीबत में फँसकर कुछ रुपयों के लिए आपके यहाँ आया हूँ!

लेकिन उसकी बात को अनसुनी कर दिया सचदेव बाबू ने तथा अपनी ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से ताकते इंस्पेक्टर से कह उठे वे, मैं इसे नहीं जानता!

उनकी यह बात यदु के कलेजे में तीर-जैसी लगी। कट कर रह गया वह। अपने कानों पर उसे विश्वास नहीं हुआ। उनसे पुन: ऊँची आवाज़ में कहा, मैं यदु मिस्त्री हूँ, बड़े साहब, आपका चहेता यदु मिस्त्री।

एक क्षण के लिए सचदेव बाबू के गले में आवाज़ फँसती-सी जान पड़ी। लेकिन फिर जल्द ही गला साफ़ करते हुए उन्होंने इंस्पेक्टर से कहा, ठेकेदार के साथ आनेवाले मिस्त्रियों को मैं नहीं जानता! उनमें से किसी को भी नहीं पहचानता!

तो आप मुझे नहीं पहचानते? मैं मिस्त्री नहीं, चोर हूँ? इस बार यदु की आवाज़ बदल गई थी और उसका पूरा बदन तन गया था। जवाब में इंस्पेक्टर ने उसे डाँटते हुए कहा, चुप बदमाश! अकड़ रहा है। इस मुहल्ले में बहुत उत्पात मचा रखा था तूने आज पकड़ में आया। - और साथ के जवानों को आदेश दिया, ले चलो इसे !

लेकिन इंस्पेक्टर की डाँट के बावजूद कन्नी-बसुली चलानेवाले उसके हाथ की मुट्ठियाँ कस गईं तथा आग्नेय नेत्रों से सचदेव बाबू को घूरते हुए गरज उठा वह, तो आप मुझको नहीं पहचानते? मैं चोर हूँ! तो अब उसी रूप में आऊँगा। अब उसी रूप में पहचानिएगा!

साला धमकी देता है। चोरी और सीनाजोरी दोनों! इंस्पेक्टर ने कसकर उसे एक हाथ लगाया। वह दर्द से कराह उठा। शायद कुजगहा चोट लगी उसे। लेकिन उसकी बातों से उससे कम दर्द का अनुभव नहीं किया सचदेव बाबू तथा उनकी पत्नी ने। वह कहकर गया है कि अब चोर-लुटेरे के रूप में ही आएगा। उससे कुछ भी तो गोपनीय नहीं। सब कुछ उसका देखा-जाना है। अब क्या होगा? उसे न पहचानकर उन्होंने अच्छा नहीं किया। लेकिन न चाहते हुए भी उन्हें ऐसा करना पड़ा। उनके भीतर अंतर्द्वंद्व अभी भी बना हुआ था। वे समझ नहीं पा रहे थे कि उन्होंने अच्छा किया या बुरा? हालाँकि उन्हें लग रहा था कि यदु को न पहचानना उनकी आंतरिक इच्छा नहीं, समयगत विवशता थी!

पुलिस द्वारा यदु को पकड़कर ले जाने के बाद दरवाज़ा बंद कर पुन: अपने शयन-कक्ष में आए वे दोनों पति-पत्नी। लेकिन उनकी बेचैनी और घबराहट खतम नहीं हुई। अशांति और उद्विग्नता पूर्ववत बनी रही। अपने मन को शांत-सहज बनाने के लिए बिस्तर पर लेटकर वे पुन: सोने का उपक्रम भी करने लगे। लेकिन शांति और चैन कहाँ? यह ठीक है कि अब अपने दरवाज़े पर वे यदु की दस्तक महसूस नहीं कर रहे थे। लेकिन अब तो उनके मन पर सीधे-सीधे दस्तक दे रहा था यदु, जो दरवाज़े की दस्तक से ज़्यादा भयावह और कष्टदायक थी!

- 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

सौंदर्य बोध

मनुष्य के मन में सौंदर्य के प्रति आसक्ति सर्वदा से रही है। तथापि इस सार्वकालिक सत्य के साथ सौंदर्य की परिभाषा को लेकर भिन्न-भिन्न मत भी रहे हैं। स्थूल रूप से दो विचारधाराएँ दैहिक और आत्मिक सौंदर्य में विभक्त हुई हैं।

देह में जड़ी आँखों से दैहिक सौंदर्य का बोध होता है। आत्मिक सौंदर्य को अनुभव करने के लिए मन की आँखों से अनुभूति की आवश्यकता होती है। मनुष्य जाति का इतिहास साक्षी है कि अनेक भीषण संघर्ष दैहिक सौंदर्य के लिए हुए। आत्मिक सौंदर्य के धनी को प्राप्त करने के लिए किसी प्रकार के संघर्ष या युद्ध का इस इतिहास में कहीं कोई वर्णन नहीं मिलता।

दैहिक सौंदर्य में भी विशेषकर हमारे परिवेश में त्वचा के रंग को अनन्य महत्व दिया गया। 'गौर वर्ण', 'दूधिया रंग', 'अंग्रेज-सा बच्चा' जैसी उपमाएँ हमारे मानस में बसी ग्रंथियों को उजागर करने के लिए पर्याप्त हैं। त्वचा के रंग में सौंदर्य निहारने की इसी वृत्ति के चलते विटिलिगो से पीड़ित लोगों को अनेक बार उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है। विटिलिगो अर्थात शरीर के कुछ अंगों से त्वचा का रंग उड़ जाना अथवा त्वचा पर सफेद दाग आ जाना। विज्ञान बताता है कि मनुष्य शरीर में मेलानोसाइट्स कोशिकाएँ, मेलेनिन नामक पदार्थ बनाती हैं। विटिलिगो में मेलेनिन बनना समाप्त हो जाता है। इसके चलते त्वचा का रंग उड़ जाता है।

विज्ञान से लौटते हैं पुनः दर्शन-चिंतन-मनन की ओर। मन में बसे दैहिक सौंदर्य के बोध के चलते अधिकांश विज्ञापनों में सुंदर चेहरों को ही अवसर दिया जाता है। फिर ये विज्ञापन महिलाओं से संबंधित किसी उत्पाद, विशेषकर आभूषणों के हों तो सौंदर्य की सुपरलेटिव डिग्री तलाशी जाती है।

असमानता की इस परंपरा पर समानता का एक सराहनीय अपवाद पिछले दिनों देखने को मिला। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर की 'एक ग्राम ज्वेलरी' निर्माता सर्राफा फर्म का एक विज्ञापन सोशल मीडिया पर आया। इस विज्ञापन में विवाह के आभूषणों के लिए दुल्हन के परिधान में सजी विटिलिगो से पीड़ित एक युवती को दिखाया गया है।

यह वास्तविक फोटो है या ए.आई. द्वारा तैयार की हुई , इसकी जानकारी नहीं मिली। अलबत्ता जानकारी मिल भी जाती तो गौण ही रहती क्योंकि इस विज्ञापन के माध्यम से संप्रेषित विचार, जानकारी की तुलना में बहुत आगे और बहुत ऊँचे हैं।

सदियों से मन पर लदी परिभाषाओं को चीरकर एक नई परिभाषा को स्थापित करने का यह प्रयास स्तुत्य है, साथ ही सर्वसमावेशी भाव का द्योतक भी। समय साक्षी है कि परिवर्तन का आरंभ ऐसी ही सोच और उसके कार्यान्वयन से होता है। इस विज्ञापन की पहली कल्पना करने वाले और इसे यथार्थ में उतारने वाले ज्वेलर्स, दोनों के लिए एक सैल्यूट तो बनता है।

बोध कथा

अकबर का साला

अकबर का साला हमेशा से ही बीरबल की जगह लेना चाहता था। अकबर जानते थे कि बीरबल की जगह ले सके ऐसा बुद्धिमान इस संसार में कोई नहीं है। फिर भी जोरू के भाई को वह सीधी 'ना' नहीं बोल सकते थे। ऐसा कर के वह अपनी लाडली बेगम की बेरुखी मोल नहीं लेना चाहते थे। इसीलिए उन्होने अपने साले साहब को एक कोयले से भरी बोरी दे दी और कहा कि- जाओ और इसे हमारे राज्य के सबसे मक्कार और लालची सेठ सेठ दमड़ीलाल को बेचकर दिखाओ , अगर तुम यह काम कर गए तो तुम्हें बीरबल की जगह वज़ीर बना दूंगा। अकबर की इस अजीब शर्त को सुन कर साला अचंभे में पड़ गया। वह कोयले की बोरी ले कर चला तो गया। पर उसे पता था कि वह सेठ किसी की बातो में नहीं आने वाला ऊपर से वह उल्टा उसे ही चूना लगा देगा। हुआ भी यही सेठ दमड़ीलाल ने कोयले की बोरी के बदले एक ढेला भी देने से इनकार कर दिया। साला अपना सा मुंह लेकर महल वापस लौट आया और अपनी हार स्वीकार कर ली. अब अकबर ने वही काम बीरबल को करने को कहा।

बीरबल कुछ सोचे और फिर बोले कि सेठ दमड़ीलाल जैसे मक्कार और लालची सेठ को यह कोयले की बोरी क्या मैं सिर्फ कोयले का एक टुकड़ा ही दस हज़ार रूपये में बेच आऊंगा। यह बोल कर वह तुरंत वहाँ से रवाना हो गए। सबसे पहले उसने एक दरज़ी के पास जा कर एक मखमली कुर्ता सिलवाया। हीरे-मोती वाली मालाएँ गले में डाली। महंगी जूती पहनी और कोयले को बारीक सुरमे जैसा पिसवा लिया। फिर उसने पिसे कोयले को एक सुरमे की छोटी चमकदार डिब्बी में भर लिया। इसके बाद बीरबल ने अपना भेष बदल लिया और एक मेहमानघर में रुक कर इश्तिहार दे दिया कि बगदाद से बड़े शेख आए हैं। जो करिश्माई सुरमा बेचते हैं। जिसे आँखों में लगाने से मरे हुए पूर्वज दिख जाते हैं और यदि उन्होंने कहीं कोई धन गाड़ा है तो उसका पता बताते हैं। यह बात शहर में आग की तरह फ़ैली।

सेठ दमड़ीलाल को भी ये बात पता चली। उसने सोचा ज़रूर उसके पूर्वजों ने कहीं न कहीं धन गाड़ा होगा। उसने तुरंत शेख बने बीरबल से सम्पर्क किया और सुरमे की डिब्बी खरीदने की पेशकश की। शेख ने डिब्बी के 20 हज़ार रुपये मांगे और मोल-भाव करते-करते 10 हज़ार में बात तय हुई।

पर सेठ भी होशियार था, उसने कहा मैं अभी तुरंत ये सुरमा लगाऊंगा और अगर मुझे मेरे पूर्वज नहीं दिखे तो मैं पैसे वापस ले लूँगा। बीरबल बोला, बिलकुल आप ऐसा कर सकते हैं, चलिए शहर के चौराहे पर चलिए और वहां इसे जांच लीजिये।सुरमे का चमत्कार देखने के लिए भीड़ इकट्ठा हो गयी। तब बीरबल ने ऊँची आवाज़ में कहा, ये सेठ अभी ये चमत्कारी सुरमा लगायेंगे और अगर ये उन्ही की औलाद हैं जिन्हें ये अपना माँ-बाप समझते हैं तो इन्हें इनके पूर्वज दिखाई देंगे और गड़े धन के बारे में बताएँगे। लेकिन अगर आपके माँ-बाप में से किसी ने भी बेईमानी की होगी और आप उनकी असल औलाद नहीं होंगे तो आपको कुछ भी नहीं दिखेगा। और ऐसा कहते ही बीरबल ने सेठ की आँखों में सुरमा लगा दिया। फिर क्या था, सिर खुजाते हुए सेठ ने आँखें खोली। अब दिखना तो कुछ था नहीं, पर सेठ करे भी तो क्या करे! अपनी इज़्ज़त बचाने के लिए सेठ ने दस हज़ार बीरबल के हाथ थमा दिये। और मुंह फुलाते हुए आगे बढ़ गए। बीरबल फ़ौरन अकबर के पास पहुंचे और रुपये थमाते हुए सारी कहानी सुना दी। अकबर का साला बिना कुछ कहे अपने घर लौट गया। और अकबर-बीरबल एक दूसरे को देख कर मंद-मंद मुसकाने लगे। इस किस्से के बाद फिर कभी अकबर के साले ने बीरबल का स्थान नहीं मांगा।

वीर गाथा

सिपाही मनोज कुमार : बर्फबारी में दिखाई जोश की ज्वाला, उड़ाए पाकिस्तान के बंकर

सिपाही मनोज कुमार सिंह का जन्म बिहार के भोजपुर ज़िले के नारायणपुर गांव में हुआ था। माता सोमारो देवी और पिता रामजी सिंह के बेटे मनोज बचपन से ही सैनिक बनना चाहते थे। वे स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें 12 बिहार में शामिल किया गया था। मनोज कुमार नवंबर 1999 में अपनी यूनिट के साथ जम्मू-कश्मीर में तैनात थे। नियंत्रण रेखा पर हिंसक घटनाएं हो रही थीं। 9 नवंबर को पाकिस्तानी सेना ने एक पोस्ट पर हमला किया। इसके जवाब में 'ऑपरेशन बिरसा मुंडा' चलाने का फैसला लिया गया। मनोज भी उस टीम में शामिल थे।

सिपाही मनोज कुमार और साथी जवानों पर दुश्मन ने भारी तोपखाने, मोर्टार और छोटे हथियारों से हमला किया, लेकिन वे अपने मोर्चे पर डटे रहे। उस दिन भारी बर्फबारी हो रही थी। दृश्यता भी कम थी। खराब मौसम के बावजूद मनोज ने बहुत बड़ा जोखिम लिया। उन्होंने दुश्मन के बंकर पर ज़ोरदार धावा बोला। इससे पाकिस्तान के दो फौजी ढेर हो गए।

इससे भारतीय जवानों में जोश आ गया। उन्होंने जवाबी कार्रवाई जारी रखी। इस बीच मनोज ने एक और बंकर को नष्ट कर दिया। इस दौरान वे रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड की चपेट में आकर घायल हो गए, लेकिन उनका हौसला जरा भी कम नहीं हुआ।

उस कार्रवाई में पाकिस्तान के 17 फौजी मारे गए और 14 बंकर तबाह हुए। सिपाही मनोज कुमार सिंह ने असाधारण साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए बलिदान दिया। उन्हें 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजामौली की 'वाराणसी' का मेक्सिको में दिखेगा जलवा

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक एस. एस. राजामौली एक बार फिर सभी को अपनी जादुई सिनेमाई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित मेगा-बजट फिल्म 'वाराणसी' अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धाक जमाने जा रही है। फिल्म 'वाराणसी' मेक्सिको में आयोजित होने वाले कॉमिक कॉन एक्सपीरियंस 2026 में प्रदर्शित की जाएगी। गुरुवार को फिल्म के प्रोड्यूसर एस.एस. कार्तिकेय ने इंस्टाग्राम नोट के जरिए इस बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल फिल्म के लिए बड़ा खास दिन होने वाला है, क्योंकि इस दिन मेक्सिको के थंडर स्टेज पर एक विशेष पैनल का आयोजन होगा, जिसमें खुद मैं 'वाराणसी' का एक खास सेगमेंट पेश करूंगा। इस प्रेजेंटेशन की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि इसमें निर्देशक एस.एस. राजामौली का एक खास वीडियो और फिल्म के कुछ बीटीएस वीडियो भी दिखाए जाएंगे। आयोजन के अंत में प्रशंसकों को मेकर्स के साथ लाइव बातचीत करने का मौका भी मिलेगा।

फिल्म को लेकर दर्शकों और सोशल मीडिया पर पहले से ही उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म में महेश बाबू 'रुद्र' के अवतार में, जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन 'कुंभा' के बेहद प्रभावशाली रूप में और प्रियंका चोपड़ा 'मंदाकिनी' के रूप में भारतीय सिनेमा में जलवा दिखाने को तैयार हैं।'वाराणसी' रिलीज होने के पहले से ही जोरों से चर्चाओं में बनी हुई है। कुछ समय पहले पेरिस के ऐतिहासिक और यूरोप के सबसे बड़े थिएटर 'ले ग्रैंड रेक्स' में एस. एस. राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की झलक दिखाई गई थी। 'वाराणसी' ऐसा करने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी, जिसका प्रमोशनल कंटेंट इतने बड़े स्तर पर ले ग्रैंड रेक्स में प्रदर्शित हुआ। वहां मौजूद दर्शकों ने तालियों के साथ फिल्म का स्वागत किया, जो इस बात का संकेत है कि यह फिल्म ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

मेगा बजट वाली इस फिल्म में पौराणिक कथाओं के साथ साइंस-फिक्शन का मेल देखने को मिलेगा। कहानी महेश बाबू के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक प्राचीन, शक्तिशाली वस्तु की तलाश में समय और विभिन्न महाद्वीपों के पार खतरनाक यात्रा पर निकलते हैं। यह फिल्म 7 अप्रैल, 2027 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'चटोरी बहू-2' के साथ टीवी पर दस्तक देने को तैयार अंजना सिंह

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अंजना सिंह प्रशंसकों के लिए फिल्म 'चटोरी बहू-2' लेकर आ रही हैं। गुरुवार को मेकर्स ने फिल्म के वर्ल्ड टेलीवीजन प्रीमियर की आधिकारिक जानकारी दी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने फिल्म के प्रसारण की तारीख और समय के बारे भी बताया। पोस्टर में फिल्म और किरदारों की झलक देखने को मिलती है। मेकर्स ने लिखा, वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर में देखिए भोजपुरी फिल्म 'चटोरी बहू-2'। यह फिल्म 25 अप्रैल, शनिवार को शाम 6.30 बजे और 26 अप्रैल, रविवार सुबह 9.30 बजे बी4यू भोजपुरी चैनल पर प्रसारित होगी।इश्तियाक शेख बंटी द्वारा निर्देशित फिल्म 'चटोरी बहू-2' का निर्माण संदीप सिंह ने किया है, जबकि लेखन का कार्य अरविंद तिवारी का है। फिल्म में अंजना सिंह के अलावा प्रशांत सिंह, लाडो मधेसिया, ज्योति मिश्रा, सोनाली मिश्रा, अमर कुश, अमित शुक्ला, रूपा सिंह, प्रकाश जैस, सी.पी भट्ट, और सपना यादव शामिल हैं। फिल्म में घर की रसोई से शुरू हुई पाक कला के जरिए अंजना पूरे जिले में पहचान बनाती हैं। हालांकि, अभिनेत्री के लिए यह सफर आसान नहीं होता। 'चटोरी बहू-2' में अंजना ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो घर के कामों और खाना बनाने में निपुण होती है, जो स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर पूरे घर का ध्यान रखती है, लेकिन जब बात प्राइवेट स्कूल में बेटी के एडमिशन की आती है, तो पूरा परिवार पीछे हट जाता है, क्योंकि फीस बहुत ज्यादा है। ये बात अंजना को बहुत बुरी लगती है और वो अपने हुनर के दम पर पैसे जमा कर अपनी बच्ची का दाखिला अच्छे स्कूल में कराने की सोचती है।

यह पारिवारिक ड्रामा फिल्म भोजपुरी दर्शकों को घरेलू रिश्तों, भावनाओं और मनोरंजन भी देगी। यह फिल्म साल 2024 में प्रसारित 'चटोरी बहू' का सीक्वल है। लोकप्रिय भोजपुरी पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'चटोरी बहू' में स्मृति सिन्हा ने बहू का किरदार निभाया था।

तिरुपति में गौसेवा करती दिखीं शमिता शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय अभिनेत्री शमिता शेट्टी इन दिनों तिरुपति के पवित्र तीर्थस्थल की आध्यात्मिक यात्रा पर हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल, इस्टाग्राम अकाउंट पर पवित्र तिरुपति मंदिर से अपनी आध्यात्मिक यात्रा की कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। एक्ट्रेस ने तिरुपति में अपने शांत अनुभव की झलक को फैंस के साथ फाटो के माध्यम से शेयर करते हुए, पोस्ट कैप्शन में लिखा, धन्य महसूस कर रही हूं। इन तस्वीरों में शमिता की आध्यात्मिकता और शांति झलक दिख रही है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेत्री की इस पोस्ट पर अनकी बहन और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने भी कमेंट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, तुम सच में धन्य हो।

तस्वीरों में, शमिता को खूबसूरत सूट में देखा जा सकता है। एक तस्वीर में, वह मंदिर परिसर के अंदर एक काफी खूबसूरती और बारीकी से तराशे हुए सुनहरे खंभे के पास खड़ी नजर आ रही हैं, जहां उन्होंने नीले रंग का प्रिंटेड कुर्ता पहना है, जिसके साथ उन्होंने गहरे गुलाबी रंग का दुपट्टा ओढ़ा है।एक और दिल को छू लेने वाले फाटो में शमिता को एक गाय को चारा खिलाते हुए देखा जा सकता है। एक और तस्वीर में, वह शाम के चमकते आसमान के सामने हल्के गुलाबी रंग की साड़ी में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।अन्य तस्वीरों में उन्हें पारंपरिक दक्षिण भारतीय नाश्ते – मेदू वड़ा और डोसा का आनंद लेते हुए, और उसके बाद इस पवित्र शहर की सड़कों पर प्रकृति के बीच टहलते हुए देखा जा सकता है।शमिता और शिल्पा, दोनों ही पिछले कुछ महीनों से आध्यात्मिक यात्राओं पर हैं। अभी कुछ हफ्ते पहले ही, शिल्पा शेट्टी ने एक शक्ति पीठ के दर्शन किए थे, और अभी वह वाराणसी में हैं, जहां उन्होंने अपनी आध्यात्मिक यात्रा जारी रखे हुए हैं।एक्ट्रेस को शहर में साड़ियों की खरीदारी करते हुए देखा गया, जिसे उन्होंने 'साड़ी बिंजिंग' (साड़ियों की जमकर खरीदारी) का नाम दिया। शिल्पा को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित पवित्र महालक्ष्मी मंदिर के दर्शन करते हुए भी देखा गया था। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद, वहां से अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं।

पाकिस्तान क्षेत्र में शांति और स्थिरता का माहौल कायम करने के लिए प्रयास करता रहेगा : डार

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इसहाक डार ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान ईरान-अमेरिका वार्ता में सहयोग कर रहा है और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता का माहौल कायम करने के लिए प्रयास करता रहेगा।वार्ता के दूसरे दौर को लेकर हालांकि अनिश्चितता बनी हुई है।विदेश कार्यालय (एफओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री डार ने क्षेत्र में नवीनतम घटनाक्रम की समीक्षा करने के लिए विदेश मंत्रालय में एक बैठक की। उन्होंने इस बात को दोहराया कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति और स्थिरता का माहौल कायम करने के लिए ईरान-अमेरिका वार्ता में सहयोग कर रहा है और पाकिस्तान इस संबंध में अपने प्रयास जारी रखेगा।डार ने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान-अमेरिका मध्यस्थता प्रक्रिया पर पाकिस्तान के आधिकारिक नीतिगत बयान केवल आधिकारिक स्रोतों द्वारा जारी किए गए बयान हैं। उन्होंने कहा, ''बयान चाहे प्रिंट मीडिया में उद्धृत किए गए हों या सोशल मीडिया पर, अज्ञात पाकिस्तानी अधिकारियों या सूत्रों के बयान पाकिस्तान के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाते हैं।'' डार ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को अटकलबाजी वाली रिपोर्टिंग से बचने और केवल आधिकारिक बयानों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह भी दी।इस बीच डार ने तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान से भी बात की और पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे राजनयिक प्रयासों के संबंध में उन्हें नवीनतम जानकारी साझा की।विदेश कार्यालय के अनुसार, ''उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संवाद और कूटनीति के माध्यम से निरंतर जुड़ाव ही इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने का एकमात्र व्यवहार्य उपाय है।''इसके अलावा, डार ने शुक्रवार देर रात मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती से बात की और दोनों नेताओं ने पाकिस्तान द्वारा सुगम बनाए जा रहे राजनयिक प्रयासों पर चर्चा की और संवाद और कूटनीति के महत्व पर जोर दिया।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शुक्रवार देर रात यहां पहुंचे और शनिवार को पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ बैठकें कीं।

इससे पहले दिन में, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बाकाई ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच ''कोई बैठक'' आयोजित करने की योजना नहीं है।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि पश्चिम एशिया मामलों के लिए अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार जेरेड कुशनर ईरानी प्रतिनिधिमंडल के प्रतिनिधियों के साथ ''सीधी बातचीत करने'' के लिए शनिवार को पाकिस्तान के लिए रवाना होंगे।

फिल्म डायरेक्टर सुभाष घई और एक्टर और फिल्म प्रोड्यूसर संजय दत्त और उनकी पत्नी, एंटरप्रेन्योर और पूर्व एक्ट्रेस मान्यता दत्त मुंबई में खलनायक रिटर्न्स के फर्स्ट लुक अनाउंसमेंट के दौरान।

अभय देओल ने सुनाया फिल्म 'देव डी' से जुड़ा मजेदार किस्सा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अभय देओल की फिल्म 'देव डी' सिनेमाघरों में री-रिलीज हो चुकी है। इस बीच अभिनेता ने फिल्म से जुड़ा मजेदार किस्सा फैंस के साथ शेयर किया है। उन्होंने बताया कि एक सीन के दौरान तो उनके पास एक भी डायलॉग नहीं था। अभय देओल ने फिल्म 'देव डी' के एक यादगार सीन से जुड़े वीडियो को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए सुनाया। फिल्म के एक वीडियो क्लिप को पोस्ट करते हुए अभय देओल ने बताया कि कैसे एक सीन में उन्होंने बिना डायलॉग बोले भी अपने किरदार को बेहतरीन तरीके से पर्दे पर अमर कर दिया। अभय देओल ने लिखा, उसने कहा कि वह 'दिल्ली से है' तो मैंने कहा कि 'मैं यहीं से हूं। उन्होंने आगे बताया कि 'देव डी' डिजाइन के हिसाब से बहुत ज्यादा बोलने वाली फिल्म नहीं है।

इसलिए इस सीन में उनका कोई डायलॉग नहीं था। स्क्रिप्ट में उनका किरदार चुपचाप खड़ा था, जबकि अभिनेत्री परख का किरदार देव से बात कर रहा था। अभय ने लिखा, मैंने अपने कैरेक्टर को मुझ पर हावी होने दिया और उसे ये शब्द कहने में मदद की। जब डायरेक्टर ने कट कहा और फिर मेरे पास आए और मुझे गले लगा लिया तो वो अनुभव शानदार था।

डायरेक्टर ने पूछा, तुमने कमरे के हर एलिमेंट को सीन में कैसे शामिल किया और इसे इतना कैजुअल कैसे दिखाया? अभय देओल ने बताया कि उन्हें इस तारीफ से बहुत अच्छा लगा। उन्होंने बताया कि सिर्फ एक टेक में ही उनका सीन पूरा हो गया। अभय देओल ने लिखा, देव को अपनी आवाज मिल गई थी और मैं उसमें खो गया। यह पोस्ट इसलिए भी खास है क्योंकि फिल्म 'देव डी' आज फिर से पीवीआर सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2009 में रिलीज हुई थी और आज भी युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। फिल्म में अभय देओल ने देव का किरदार निभाया था, जबकि परख, माही गिल और कल्कि कोचलीन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आईं। 'देव डी' आधुनिक समय की देवदास कहानी पर आधारित है। फिल्म में प्यार, दोस्ती, नशे और जिंदगी की सच्चाई को बेहद अलग अंदाज में दिखाया गया है। अभय देओल का अभिनय और फिल्म का अनोखा स्टाइल आज भी दर्शकों को पसंद आता है।

अफगानिस्तान का युद्ध में अमेरिका का साथ देने वाले एवं अब कतर में फंसे अफगानों से घर लौटने का आह्वान

काबुल/एपी

अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जिन अफगानों ने अमेरिका के युद्ध प्रयासों में उसकी मदद की और अब अमेरिका पहुंचने की उम्मीद में कतर में फंसे गए हैं, वे सुरक्षित रूप से अफगानिस्तान लौट सकते हैं। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहर बाल्खी ने शनिवार को यह बयान दिया।इस बयान से पहले खबर आयी थी कि अमेरिका का ट्रंप प्रशासन उन 1,100 अफगानों को कांगो भेजने पर विचार कर रहा है जिन्होंने अफगानिस्तान में युद्ध के दौरान अमेरिका की सहायता की थी। ट्रंप प्रशासन अमेरिकी सैन्य कर्मियों के रिश्तेदारों को भी कांगो भेजने पर गौर कर रहा है।अफगान पुनर्वास प्रयासों में सहयोग करने वाले संगठन 'अफगान एवैक' ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी अधिकारियों ने उसे अमेरिका और कांगो के बीच उन अफगान शरणार्थियों को लेने के बारे में हुई चर्चाओं के बारे में जानकारी दी, जो पिछले एक साल से दोहा में अमेरिकी अड्डे कैंप अस-सैलिया में अनिश्चित स्थिति में हैं।अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वह शरणार्थियों को किसी तीसरे देश में 'स्वैच्छिक रूप से' बसाने के विकल्पों को चुनने पर विचार रहा है, लेकिन उसने यह पुष्टि नहीं की कि किन देशों पर चर्चा की जा रही है।

'अफगान एवैक' ने बताया कि शरणार्थियों को दिए गए विकल्पों में से एक अफगानिस्तान वापस लौटना है लेकिन वहां उन्हें तालिबान के हाथों प्रतिशोध तथा यहां तक कि मौत का भी डर है।उन पर (शरणार्थियों पर) दो दशक के युद्ध के दौरान अमेरिका का साथ देने का आरोप है। तालिबान 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद सत्ता हथियाने के बाद से देश चला रहे हैं।

बाल्खी ने अपने बयान में लिखा, ''अफगानिस्तान का विदेश मंत्रालय दोहराता है कि अफगानिस्तान सभी अफगानों की साझा मातृभूमि है। वह सभी संबंधित लोगों के साथ-साथ समान परिस्थितियों का सामना कर रहे अन्य लोगों को भी अपनी मातृभूमि लौटने के लिए आमंत्रित करता है, क्योंकि मातृभूमि के द्वार उनके लिए खुले हैं, ताकि ऐसे लोग पूर्ण विश्वास और मन की शांति के साथ ऐसा कर सकें।'' उन्होंने कहा कि दूसरे देश जाने के इच्छुक लोग उचित समय पर कानूनी और सम्मानजनक माध्यमों से ऐसा कर सकते हैं।

आज की युवा पीढ़ी इन्फॉर्मेशन ओवरलोड की शिकार : काजोल

मुंबई/एजेन्सी

आज की तेजी से बदलती दुनिया और तकनीक के विस्तार ने युवाओं की जीवनशैली को पूरी तरह से बदल दिया है। अक्सर सोशल मीडिया पर अपने अनोखे रिलेशनशिप ट्रेंड्स और नए 'स्लैंग' के कारण चर्चा में रहने वाली जेनजी को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने अपने विचार शेयर किए। गुरुवार को अभिनेत्री ने एक पॉडकास्ट का क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें काजोल ने अपनी और जेनजी के बीच की बुनियादी अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि कैसे जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है। उनका मानना है कि आज की युवा पीढ़ी को इंटरनेट से मिलने वाले 'शोर' से बाहर निकलकर खुद के लिए फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं है, बल्कि अपने मूल्यों और सीमाओं को खुद परिभाषित करना ही असल परिपक्वता है।

काजोल कहती हैं, मुझे लगता है कि जेनजी इस समय 'जानकारी के ओवरलोड' से गुजर रही है। हम ऐसे समय में बड़े हुए जब जानकारी बहुत सीमित हुआ करती थी। इसलिए हमें अपनी नैतिकता, सीमाएं और सही-गलत का फैसला खुद अपनी सोच से करना पड़ता था।अभिनेत्री ने बताया कि आज के युवाओं के पास हर चीज के बारे में जवाब उपलब्ध हैं। हर कोई जानता है कि क्या सही है और क्या गलता, लेकिन वे इसमें इस कदर खोए हुए हैं कि वे यह तय नहीं कर पा रहे कि उनके लिए व्यक्तिगत रूप से क्या सही है।उन्होंने कहा, आप चाहे जितनी भी चिंता कर लें या जानकारी जुटा लें, लेकिन आखिर में आपको अपना मन खुद ही बनाना होगा। अभिनेत्री ने अपने दोनों बच्चों बेटी निसा देवगन और बेटा युग देवगन को लेकर कहा कि दोनों के नजरिए अलग हैं। उन्होंने कहा, मेरे दोनों बच्चे अपनी जानकारी अलग-अलग तरीके से प्रोसेस करते हैं। मुझे लगता है कि लड़कों की जिंदगी अक्सर थोड़ी ज्यादा सीधी-सादी होती है। वे सूचनाओं को सरलता से लेते हैं, लेकिन लड़कियों पर समाज, सोशल मीडिया और सूचनाओं का दबाव या बोझ कहीं ज्यादा होता है। उन्हें कई पैमानों पर खुद को परखना पड़ता है।

प्रदर्शन

महिलाओं ने 'जन आक्रोश मार्च' के दौरान शनिवार को चंडीगढ़ में महिला आरक्षण बिल को लेकर आम आदमी पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन किया।

माइकल जैक्सन को याद कर इमोशनल हुए अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता-निर्देशक व अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया के जरिए लगातार फैंस के साथ जुड़ना पसंद करते हैं। इसी कड़ी में वह अपने प्रशंसकों के साथ अक्सर अलग-अलग मुद्दों के साथ ही किस्से-कहानियों को भी साझा करते रहते हैं। लेटेस्ट पोस्ट में वह 'किंग' ऑफ पॉप' को याद करते नजर आए। माइकल जैक्सन की बायोपिक शुक्रवार को रिलीज हो चुकी है। इस बीच अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर माइकल जैक्सन की याद में एक पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में अनुपम खेर व माइकल जैक्सन साथ खड़े हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। तस्वीर पोस्ट करते हुए अनुपम खेर भावुक नजर आए।

उन्होंने बताया कि यह तस्वीर सिर्फ एक याद नहीं, बल्कि समय में ठहर गई एक खास भावना है। अनुपम खेर ने लिखा, डियर माइकल जैक्सन, यह तस्वीर सिर्फ एक याद नहीं है यह समय में रुक गई एक भावना है। मुझे आज भी वह पल याद है जब मैंने मुंबई में आपसे हाथ मिलाया था। उस एक पल के लिए मेरे अंदर का फैन पूरी तरह हावी हो गया था। यह अवास्तविक था लगभग अविश्वसनीय जैसे किसी जादू को छू लिया हो, विश्वास ही नहीं हो रहा था।

पोस्ट में आगे खेर किंग ऑफ पॉप की तारीफ करते नजर आए। उन्होंने आगे लिखा कि माइकल जैक्सन सिर्फ एक कलाकार नहीं , बल्कि एक अनुभव थे। अनुपम खेर ने कहा, आप एक ऐसी घटना थे जिसे शायद दुनिया फिर कभी न देख पाए। अगले हजार सालों तक सचमुच आपके जैसा कोई नहीं होगा। यही नहीं अनुपम खेर ने माइकल जैक्सन को दुनिया का आठवां अजूबा बताया। उन्होंने लिखा, हम धन्य हैं कि आप इस धरती पर आए और अपनी कला, मासूमियत और प्रतिभा से लाखों लोगों के जीवन को छुआ। आप मानवता के लिए ईश्वर का उपहार थे।

अनुपम खेर ने यह भी कहा कि कहीं न कहीं उन्हें दुख होता है कि आज भी कुछ लोग उस खूबसूरती का जश्न मनाने के बजाय जहर फैलाना पसंद करते हैं। लेकिन उन्होंने जोड़ा कि माइकल जैक्सन की महानता शोर और नकारात्मकता से कहीं ऊपर है। पोस्ट के अंत में अनुपम खेर ने भावुक होते हुए लिखा, आप जहां भी हों, उम्मीद है कि आप अपने स्टाइल में थिरक रहे होंगे, कुछ नया रच रहे होंगे और मुस्कुरा रहे होंगे।

संस्कारों की प्रथम पाठशाला होती है 'मां' : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/होसूर। साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा भवन होसूर में एक दिवसीय संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साध्वीश्री संयमलताजी ने बच्चों को प्रेरणा देते हुए कहा कि जिस प्रकार हीरे की कीमत जौहरी के हाथ में पहुंचने पर ही ज्ञात होती है, कुंभकर मिट्टी के अपने हाथों से कलश का रूप देता है जो मांगलिक कार्यों के लिए प्रयोग सिद्ध होता है, उसी प्रकार संस्कारों को देने वाली सर्वप्रथम पाठशाला 'मां' होती है और दूसरा धार्मिक स्थान होता है। ज्ञानशाला के माध्यम से ही संस्कारों का निर्माण किया जाता है। उन्होंने कहा कि मोबाइल एवं स्माइल दोनों में स्माइल आपको स्मार्ट बनाएगी, इसलिए हर समय चेहरे पर मुस्कान रखे, बड़ों का आदर करें और आचार्य महाश्रमण जी के संस्कारवान शिष्य बनने का प्रयत्न करें। साध्वी मार्दवश्रीजी ने श्वास अभ्यास करवाया। साध्वी मनीषप्रभाजी ने बच्चों को विभिन्न गतिविधियां करवाई। साध्वीश्री रौनकप्रभात जी ने चार गति के बारे में बताया।ङ्ङमुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित सुमित्रा बरड़िया ने बच्चों को आध्यात्मिक गेम ब्रेन एक्टिविटी एवं महावीर भिक्षु के संस्मरणों से संस्कारों को पुष्ट करने की प्रेरणा दी। सुबह योग एवं ध्यान द्वारा शिविर का प्रारंभ हुआ। ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं ने प्रशिक्षण दिया। प्रभा बाफना, शांति सेठिया आदि ने सहयोग दिया। अध्यक्ष मंगल बाफना, मंत्री पवन सेठिया, राकेश संचेती आदि ने मुख्य वक्ता बरड़िया का सम्मान किया।

व्यापार में लखपति बनें या नहीं, धर्म क्षेत्र के लखपति जरूर बनें : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण संघीय गुरुदेव डॉ. समकितमुनिजी के सान्निध्य में शनिवार को राममूर्तिनगर स्थित रिखबचंद मेहता के निवास स्थान पर प्रवचन सभा का आयोजन हुआ। अपने दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन गुरुदेव ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को संबोधित करते हुए 'धर्म की वास्तविक पूंजी', 'पुण्य संचय' और 'जीवन के सच्चे लक्ष्य' पर अत्यंत मार्मिक और विचारोत्तेजक प्रवचन दिया। गुरुदेव ने जीवन की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो समय धर्म-ध्यान और प्रभु स्मरण में बीतता है, वास्तव में वही समय अपना है और वही हमारी वास्तविक उम्र है। इसके अतिरिक्त संसार के कार्यों में बिताया गया बाकी सब समय निरर्थक और व्यर्थ है। गुरुदेव ने आह्वान किया कि अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी से भी धर्म के लिए कुछ पल अवश्य निकालें और अपने इस मानव जीवन को सार्थक करें। पुण्य के विज्ञान को अत्यंत सरल शब्दों में समझाते हुए गुरुदेव ने कहा कि व्यक्ति अक्सर अपने पूर्व जन्म या अतीत के पुण्यों के भरोसे बैठा रहता है। उन्होंने इसे 'बासी भोजन' की संज्ञा देते हुए कहा, पूर्व के पुण्य का खाना अर्थात बासी भोजन खाना है। हमेशा ताजा भोजन करें। ताजा भोजन करने का अर्थ है, प्रतिदिन नया पुण्य कमाना और उसका उपभोग करना।

गुरुदेव ने भौतिक और आध्यात्मिक लक्ष्यों की तुलना करते हुए कहा कि जिस प्रकार इंसान धन कमाने, व्यापार बढ़ाने और दुनियावी सफलता के लिए बड़े-बड़े लक्ष्य तय करता है, ठीक उसी प्रकार धर्म के क्षेत्र में भी लक्ष्य तय करने चाहिए और उस ओर मजबूती से कदम बढ़ाने चाहिए। उम्र ढलने के साथ-साथ यदि धर्म में वृद्धि होती है, तो भविष्य पूरी तरह सुरक्षित हो जाता है। उन्होंने बहुत ही सुंदर प्रेरणा देते हुए कहा, व्यापार में लखपति बनो या नहीं, लेकिन धर्म के क्षेत्र में लखपति जरूर बनो। अपने जीवन में यह लक्ष्य बनाओ कि मैं अपने जीवनकाल में लक्ष जाप, लक्ष सामायिक, लक्ष पुण्य और लक्ष स्वाध्याय अवश्य संपन्न करूंगा। मानव के दोहरे चरित्र और अज्ञानता पर प्रहार करते हुए गुरुदेव ने कहा, यह विडंबना है कि व्यक्ति अपने मरने के बाद अपने परिवार को कोई कष्ट न हो, इसकी पूरी आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था करके जाता है लेकिन, मरने के बाद 'मुझे' (स्वयं की आत्मा को) कोई तकलीफ न हो और मेरी क्या दुर्गति होगी, इस ओर उसका कभी ध्यान ही नहीं जाता। गुरुदेव ने स्पष्ट किया कि धन और संपत्ति का साथ केवल इस सांसारिक जीवन तक सीमित है, लेकिन 'धर्म' ही एकमात्र ऐसी पूंजी है जो जिंदगी के साथ भी चलती है और जिंदगी के बाद भी काम आती है।

दान की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि केवल धन एकत्रित करना, संग्रहवृत्ति को बढ़ावा देना और दान न देना-यह 'वन-वे ट्रैफिक' की तरह है। जीवन जीने के लिए पैसा जरूरी है क्योंकि दुनिया हमें पैसे से आंकती है, लेकिन पैसे पर ही यह दुनिया समाप्त नहीं होती, इसके आगे भी जीवन है। उन्होंने एक बहुत गहरी बात समझाते हुए कहा कि संसार में रहकर व्यक्ति संसार की इच्छा करता है, यह तो समझ आता है, किन्तु अफ़सोस तब होता है जब इंसान धर्म के दरबार में, संयमी गुरुओं के चरणों में और परमात्मा के समक्ष जाकर भी संसार और भौतिक सुखों की ही चाहना करना शुरू कर देता है। संसार के प्रति इस आसक्ति को कम करना होगा।

28 से 30 जुलाई तक सामूहिक 'तेले तपाराधना' का आह्वान

प्रवचन के उपरांत, गुरुदेव ने आगामी चातुर्मास की पूर्व पीठिका तैयार करते हुए उपस्थित संघ को विशेष तपस्या करने के लिए प्रेरित किया । उन्होंने चातुर्मास शुभारंभ एवं गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आगामी 28, 29 और 30 जुलाई को सामूहिक रूप से 'तेले तपाराधना' करने का आह्वान किया, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक स्वीकार किया। इस अवसर पर रिखबचंद मेहता द्वारा संघीय सूचनाएं प्रस्तुत की। साथ ही, उपस्थित श्रद्धालुओं को रविवार को दोड्डनिकुन्दी स्थित केवल आराधना स्थल पर आयोजित होने वाले उपाध्याय श्री केवलमुनि जी की 32वीं पुण्यतिथि के विशेष गुणानुवाद कार्यक्रम में ससमय उपस्थित होने की जानकारी और निमंत्रण भी दिया गया।

तेरापंथ महिला मंडल के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने आयोजित की संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा सुमन नाहटा के निर्देशानुसार संगठन सुदृढीकरण यात्रा के अंतर्गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या वीणा बैद एवं सारिका गिड़िया गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन पहुंचीं। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत किया। वीणा बैद ने संगठन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए संगठन की अखंडता हेतु समर्पण, विश्वास, संस्कृति एवं आध्यात्मिकता के साथ परिवार एवं अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। बैद ने मंडल की गतिविधियों का अवलोकन किया एवं सराहना करते हुए गांधीनगर मंडल को एक अनुभवी एवं जागरूक मंडल बताया। ङ्ङइस मौके पर उपस्थित डाइटिशियन, लेखिका, पब्लिक स्पीकर डॉ. सारिका गिड़िया ने सादगीपूर्ण जीवन व्यतीत करने की सलाह दी। उन्होंने अपनी नानी, दादी के जीवनशैली से प्रेरणा लेते हुए कहा कि दैनिक ख़ानपान, पकाने की विधि आदि में परिवर्तन लाते हुए योग, प्राणायाम आदि को अपने जीवन का अनिवार्य अंग बनाएं। उन्होंने केन्द्रीय मंडल द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला एवं सभी गतिविधियों में ज़्यादा से ज़्यादा संख्या में जुड़ने का आह्वान किया। मंत्री विजेता रायसोनी ने संचालन करते हुए अतिथियों का परिचय दिया। उपाध्यक्ष किरण गिलुंड़िया ने राष्ट्रीय अध्यक्षा सुमन नाहटा द्वारा प्रेषित संदेश का वाचन किया। सहमंत्री विनीता मरोठी, पूर्वाध्यक्ष शांति सकलेचा, कांता लोढ़ा, निवर्तमान अध्यक्ष ऋजु डूंगरवाल, कन्या मंडल की प्रभारी उर्मिला बरड़िया एवं बड़ी संख्या में कार्यकारिणी सदस्याएँ उपस्थित थी।

जैन सिद्धांतों की आदर्श पथिका थीं साध्वीश्री प्रभाकंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री विजयराजजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री प्रभाकंवरजी का 3 दिन के संथारे के साथ शुक्रवार रात 10.30 बजे जयपुर में समाधिमरण हो गया। शांत क्रांति संघ में साध्वीश्री महाश्रमणी रत्ना पद से विभूषित थीं और आचार्य श्री विजयराज जी महाराज की संसार पक्षीय छोटी बहन थीं। प्रभावती जी ने अपने माता पिता और बड़े भाई के साथ एक साथ आचार्य श्री नानालाल जी के पास संयम लिया था और आगम का अध्ययन कर गूढ़ रहस्यों पर शोध कर रही थीं।

बीकानेर के जतनराज भंवरी बाई की संतान प्रभाकंवरजी ने भारत के कई प्रदेशों में 53 चातुर्मास कर धर्म की प्रभावना की और विशेषकर युवा वर्ग को धर्म में स्थिर करने का पुरुषार्थ किया। साध्वी प्रभाकंवरजी कुशल प्रवचनकार, तत्वज्ञ और सदैव स्वाध्याय तथा जाप में व्यस्त रहती थीं। विलक्षण प्रतिभा संपन्न प्रभाकंवरजी स्वभाव से सरल थीं और जैन सिद्धांतों की आदर्श पथिका थीं। अखिल भारतीय साधुमार्गी शांत क्रांति संघ कर्नाटक शाखा के पदाधिकारियों ने दिवंगत साध्वीश्री के गुण स्मरण कर चार लोगस्स का ध्यान कर शाश्वत सुखों की कामना करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। दिवंगत साध्वी का शनिवार सुबह जयपुर में अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।

संजीवनी ज्वाला लब्धि मंदिर की सोलहवीं वर्षगांठ एवं ध्वजारोहण समारोह आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरटी नगर स्थित मंजुनाथा लेआउट में संजीवनी ज्वाला लब्धि मंदिर की सोलहवीं वर्षगांठ एवं ध्वजारोहण समारोह आज रविवार को ज्वालामालिनी देवी के परम साधक गुरुदेवसत्यज्वालाजी की निश्रा में आयोजित होगा। शुक्रवार की रात मातारानी के दरबार में महाआरती के दौरान ध्वजा महोत्सव लाभार्थी परिवारों में से एक लक्की ड्रा रितेश पामेचा द्वारा निकाला गया। लक्की ड्रा के विजेता सिकन्दराबाद निवासी उज्जवल मानकवंर मकाणा ओसवाल परिवार बने।महाआरती के दौरान देर रात तक डॉ.नीतू राठौड़ एवं संगीतादेवी ने ज्वाला मैया की स्तुति एवं भक्तिगीतों का समा बांधा। इस शुक्रवार को भी श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से नवदीप जलाएं।

इस अवसर पर महेन्द्र धारीवाल, राकेश सोनीगरा, जितेन्द्रकुमार जैन, प्रकाश जैन, विनित श्रीश्रीमाल, विनोद जैन, कुशल चौपड़ा, प्रदीप जैन, शर्मिला जैन, बबीता जैन, चन्द्रा कोठारी, दीप्ति बालियां, योगिता भंसाली, साधना जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

दक्षिण भारत में यापनीय जैन संप्रदाय का था व्यापक प्रभाव : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। शहर के समीप भानापुर स्थित सरकारी निरीक्षण केंद्र में इतिहास के विद्यार्थियों और पत्रकारों से भेंटवार्ता करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि इतिहास मनुष्य को गहरी शिक्षा देता है। उससे सीख लेकर हमें अपने समाज व जीवन का नवनिर्माण करना चाहिए। कभी पूर्वी और पश्चिमी भारत की तरह दक्षिण में भी जैनधर्म का गौरवशाली इतिहास रहा है। श्वेतांबर और दिगंबर की तरह यापनीय (जैन धर्म का एक प्राचीन सम्प्रदाय) यहां का एक बहुत बड़ा जैन संप्रदाय था। विशेषकर कर्नाटक और तमिलनाडु में व्यापक रूप से फैले इस संप्रदाय का पंद्रहवीं शताब्दी तक गौरवशाली इतिहास मिलता है। यह निर्विवाद सत्य है कि यापनीय साधुओं और विद्वानों ने कन्नड़ व तमिल भाषा की बेहतरीन सेवा की है। प्राचीन कन्नड़ व तमिल साहित्य में यापनीय जैन साधुओं और कवियों के महत्वपूर्ण योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

कोप्पल, गदग और धारवाड़ यापनीय संप्रदाय के प्रमुख सांस्कृतिक, साहित्यिक और धार्मिक केंद्र थे। दक्षिण भारत के ऐतिहासिक बादामी चालुक्य, राष्ट्रकूट, होयसला, पश्चिम गंग, कदंब, मूषक, कलभ्र, पल्लव, चौल, चेल, पांड्य, इक्ष्वाकु और विजयनगर साम्राज्यों पर यापनीय संप्रदाय का गहरा प्रभाव था। इनमें से अनेक साम्राज्यों में यापनियों को बाकायदा राज्याश्रय प्राप्त था। ङ्जैनाचार्य ने कहा कि कभी दक्षिण की काशी के रूप में प्रसिद्ध कोप्पल यापनीय जैन संप्रदाय की महान तीर्थस्थली थी। यहां और आसपास में अवस्थित कुल 777 जैन मंदिरों का ऐतिहासिक धर्मवैभव यापनीय संप्रदाय के स्वर्णिम इतिहास की अमर कहानी कहता है। उत्तर कर्नाटक में हजारों की संख्या में यापनीय जैन साधुओं के वर्षावास व विहरण होते थे। जीवक चिंतामणि, नीलकेसी, शीलप्पदिकारम आदि तमिल भाषा के तथा आदिपुराण, महापुराण, विक्रमार्जुन विजयं, गदायुद्ध, शांति पुराण, मल्लीनाथ पुराण आदि कन्नड़ भाषा के प्राचीन साहित्यिक ग्रंथ हैं। कोप्पल के मुनिसुव्रतस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के घीसुलाल मेहता और महावीर संकलेचा ने बताया कि प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में चार दिन के प्रवास पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी रविवार को कोप्पल पधार रहे हैं। सुबह अशोक सर्कल से संतों का भव्य स्वागत किया जाएगा।

लोक भवन में राजस्थान राज्य स्थापना दिवस समारोह आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के लोक भवन में महावीर इंटरनेशनल, कर्नाटक और बेंगलूरु व राजस्थान समुदाय के सदस्यों के सहयोग से 26 अप्रैल को दोपहर 3:30 बजे बेंगलूरु के लोक भवन स्थित ग्लास हाउस में राजस्थान राज्य स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत करेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित मालिनी अवस्थी और उनकी टीम तथा राजस्थान के श्री प्रकाश माली और उनकी टीम द्वारा प्रस्तुतियों के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया जाएगा।

केंगेरी में 'संस्कार निर्माण शिविर' सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सानिध्य में केंगेरी में 'संस्कार निर्माण शिविर' का आयोजन किया गया। साध्वीश्री ने नवकार महामंत्र से शिविर की शुरूआत की। बच्चों के द्वारा ज्ञानशाला गीत के माध्यम से मंगलाचरण किया गया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने बच्चों को प्रेरणा देते हुए विशेष रूप से छोटे-छोटे संकल्प करवाए।

उन्होंने बच्चों को एक महीने तक खाना खाते समय टीवी और मोबाइल न देखने का संकल्प करवाया। साध्वीश्री उन्नतयशाजी ने बच्चों को अच्छा जीवन जीने के लिए छोटे-छोटे टिप्स बताए।ङ्साध्वीश्री आत्मयशाजी ने बच्चों में बुद्धि और ज्ञान का विकास करने के लिए अनेक छोटे-छोटे प्रयोग बताएं। केंगेरी ज्ञानशाला की संयोजिका पूनम दक ने संचालन किया। प्रशिक्षिका प्रेरणा दक ने धन्यवाद दिया।

रणवीर सिंह के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की याचिका पर आदेश पारित कर सकती है अदालत

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शनिवार को संकेत दिया कि अदालत बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह द्वारा दायर हलफनामे पर माफी से संबंधित आपत्तियों पर विचार करने के बाद आदेश जारी कर सकती है। सिंह ने यहां उच्च न्यायालय के समक्ष माफी मांगी थी और दक्षिण कन्नड़ जिले के देवता 'चावुंडी दैवा' का कथित रूप से अपमान करने के आरोप में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध करते हुए एक हलफनामा दायर किया था।

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि अभिनेता के व्यवहार पर फटकार लगाने की आवश्यकता है, जो अदालत मामले का निपटारा करते समय करेगी। मामले की सुनवाई के दौरान सिंह द्वारा दायर हलफनामे पर बहस हुई। सिंह ने विशेष रूप से मंदिर में जाकर माफी मांगने का आश्वासन दिया। अदालत में दी गईं दलीलों के अनुसार, हलफनामे में बताया गया कि अभिनेता 'उचित समय पर' चामुंडी मंदिर जाएंगे। इस याचिका का विरोध कर रहे वकील ने इस वाक्यांश की अस्पष्टता पर सवाल उठाते हुए दलील दी कि 'उचित समय' का अर्थ कुछ दिनों से लेकर कई वर्षों तक कुछ भी हो सकता है और उन्होंने एक निश्चित समयसीमा का अनुरोध किया। अभिनेता के वकील ने जवाब में कुछ घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि सुरक्षा कारणों से सटीक समयसीमा बताना संभव नहीं है। हालांकि, विरोधी पक्ष ने कहा कि उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए कर्नाटक पुलिस पर पूरा भरोसा है।

प्रख्यात दार्शनिक और नारायण गुरुकुल के प्रमुख मुनि नारायण प्रसाद का निधन

तिरुवनंतपुरम। प्रख्यात दार्शनिक एवं आध्यात्मिक गुरु और 'नारायण गुरुकुल' के प्रमुख मुनि नारायण प्रसाद का शनिवार तड़के निधन हो गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 87 वर्ष के थे। वरकला स्थित दार्शनिक और शैक्षणिक संस्था 'नारायण गुरुकुल' से जुड़े सूत्रों के अनुसार, प्रसाद ने यहां वेंजारामूडु के एक निजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अंतिम सांस ली। 'नारायण गुरुकुल' समाज सुधारक संत नारायण गुरु की शिक्षाओं से प्रेरित है। प्रसाद इंजीनियरिंग में स्नातक थे। उन्हें 2024 में पद्म श्री और साहित्य एवं दर्शन में उनके योगदान के लिए केरल साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

उन्होंने 'नारायण गुरुकुल' से जुड़ने से पहले राज्य सरकार के एक विभाग में सेवाएं दीं। 'नारायण गुरुकुल' की स्थापना 1923 में श्री नारायण गुरु के शिष्य नटराज गुरु ने की थी। गुरुकुल के तत्कालीन प्रमुख और प्रसिद्ध दार्शनिक नित्य चैतन्य यति के निधन के बाद प्रसाद इसके प्रमुख बने थे। उन्होंने एक प्रख्यात विद्वान और प्रखर लेखक के रूप में विभिन्न विषयों, विशेष रूप से दर्शन और आध्यात्मिकता पर कई पुस्तकें लिखीं। मुनि नारायण प्रसाद के निधन पर विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

सिद्दरामय्या ने अस्पताल में मंत्री सुधाकर से मुलाकात की

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को अस्पताल में भर्ती मंत्री डी. सुधाकर से मुलाकात की और कहा कि उनके होश में आने के बाद चिकित्सक इलाज को लेकर फैसला करेंगे। योजना एवं सांख्यिकी मंत्री सुधाकर फेफड़ों में गंभीर संक्रमण के कारण अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती हैं।

सिद्दरामय्या ने इलेक्ट्रॉनिक सिटी स्थित कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (केआईएमएस) का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा, सुधाकर अब तक होश में नहीं आए हैं। चिकित्सक कल (रविवार को) फैसला लेंगे। मुख्यमंत्री ने फेफड़े के प्रत्यारोपण के बारे में पूछे जाने पर कहा, अगर अभी प्रत्यारोपण करना है, तो उनका होश में आना जरूरी है। वह अभी होश में नहीं हैं। चिकित्सक फैसला लेंगे कि क्या करना है।

सिद्दरामय्या ने मंत्री की हालत के बारे में पूछे जाने पर बताया कि उनकी हालत अब स्थिर है, लेकिन वह वेंटिलेटर पर हैं। उन्होंने कहा, उनके (मंत्री सुधाकर के) शरीर के अन्य सभी अंग ठीक से काम कर रहे हैं और उनकी हालत स्थिर है।

सिद्दरामय्या ने चिकित्सा जांच के बारे में कहा, चिकित्सक कल (रविवार को) सीटी स्कैन करेंगे। उसके बाद ही पता चलेगा। वे निर्णय लेंगे। चिकित्सकों ने मुख्यमंत्री को जारी उपचार के बारे में जानकारी दी। सिद्दरामय्या ने मंत्री के परिवार के सदस्यों से भी बातचीत की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**